सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 267 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 11 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

राजस्व कार्यों में लापरवाही पर 8 तहसीलदारों को नोटिस

रायपुर। राजस्व कार्यों, एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसान पंजीयन और समय-सीमा बैठक में सौंपे गए कार्यों के क्रियान्वयन में उदासीनता बरतने के मामले में सारंगढ़-बिलाईगढ़ कलेक्टरपद्मिनी भोई साहू ने आठ तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जिन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उनमें उप तहसील कोसीर के तहसीलदार शनि कुमार पैकरा, सारंगढ़ के तहसीलदार खोमन लाल ध्रुव, एवं सहायक तहसीलदार नंदकिशोर सिन्हा, सरसीवा के तहसीलदार मोहन साहू, भटगांव की तहसीलदार नीलिमा अग्रवाल, बरमकेला के तहसीलदार पुष्पेंद्र राज, बिलाईगढ़ के तहसीलदार कमलेश सिदार तथा सरिया की तहसीलदार कोमल साहू शामिल हैं।

रायगढ़ में हाथियों के हमले से 2 की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को दो अलग-अलग घटनाओं में हाथियों के हमले से 2 लोगों की मौत हो गई। हाथी बस्ती में घुस आया और जान बचाकर भाग रही महिला को कुचल दिया। मां को पकड़कर उसकी मासूम बेटी रोती दिखी। इस दौरान मौके पर पहुंचे वन विभाग के अमले की गाड़ी को भी हाथी ने सूंड से धक्का मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसका वीडियो भी सामने आया है। वहीं, शौच के लिए निकले ग्रामीण पर हाथी ने हमला कर दिया। जिससे उसकी जान चली गई। फिलहाल, दोनों मामलों में वन विभाग ने आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश में अगले 4 दिन कम होगी बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले चार दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके बाद बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। फिलहाल प्रदेश में मानसून सामान्य रूप से सक्रिय है, लेकिन अब भी मौसमी बारिश सामान्य से 15 प्रतिशत कम है। 1 जून से 9 जुलाई तक प्रदेश में 242.8 मिमी (9.5 इंच) बारिश दर्ज की गई, जबकि इस दौरान सामान्य तौर पर 284.6 मिमी (11.2 इंच) बारिश होनी चाहिए थी। वहीं तापमान की बात करें तो शुक्रवार को दुर्ग में सबसे अधिक 34.4 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जबकि राजनांदगांव का न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा।

हाईकोर्ट के फैसले से भिलाई निगम को बड़ी राहत

भिलाई। आवासीय भूखंडों की नीलामी रद्द करने के भिलाई नगर निगम के फैसले को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट के इस निर्णय सेनिगम को बड़ी राहत मिली है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि केवल सबसे ऊंची बोली लगाने से किसी व्यक्ति को भूखंड पर कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं हो जाता। जब तक सक्षम अधिकारी बोली को स्वीकार नहीं करता, तब तक कोई अनुबंध अस्तित्व में नहीं आता।

छत्तीसगढ़ की बेटी का कमाल : इंटरनेशनल मून मिशन के लिए रागनी साहू का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए यह एक अत्यंत गर्व और ऐतिहासिक क्षण है। शासकीय आशीबाई गोलछा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महासमुंद की होनहार छात्रा रागनी साहू का चयन अंतर्राष्ट्रीय चंद्र मिशन 'शक्तिसैट' के लिए 'नेशनल फाइनलिस्ट' के रूप में हुआ है। इस प्रतिष्ठित वैश्विक अभियान की सूची में जगह बनाने वाली रागनी पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से चुनी गईं इकलौती छात्रा हैं।

इस वैश्विक अभियान के तहत पूरे भारत से कड़े राष्ट्रीय मूल्यांकन और साक्षात्कार के बाद 'केवल 20 राष्ट्रीय फाइनलिस्ट' का चयन किया गया है, जिसमें रागनी ने अपना स्थान पक्का किया है। रागनी ने वर्ष 2025 में अपने स्कूल की अटल टिंकरिंग लैब के माध्यम से इस मिशन में पंजीयन कराया था। चयन प्रक्रिया के दौरान उन्होंने लगभग 120 घंटे की ऑनलाइन प्रशिक्षण श्रृंखला के अंतर्गत 21 विस्तृत मॉड्यूल तथा 550 से अधिक स्पेस, सैटेलाइट, विज्ञान, नवाचार (इन्नोवेशन) और इंजीनियरिंग आधारित लेसन सफलतापूर्वक पूरे किए।

108 देशों के छात्र मिलकर बनाएंगे चंद्र उपग्रह

'मिशन शक्तिसैट' एक अंतर्राष्ट्रीय चंद्र सैटेलाइट मिशन है, जिसमें भारत के अलावा अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस सहित विश्व के 108 देशों के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। इस ऐतिहासिक मिशन के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा दो चंद्र उपग्रह विकसित किए जाएंगे। इनमें से एक उपग्रह चंद्रमा की कक्षा में स्थापित होकर परिक्रमा करेगा। दूसरा रोवर चंद्रमा की सतह पर उतरकर वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम देगा।

इसरो द्वारा 11 अक्टूबर को श्रीहरिकोटा से लॉन्चिंग

विद्यार्थियों द्वारा विकसित किए जा रहे इन उपग्रहों का प्रक्षेपण 11 अक्टूबर 2026 (अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस) के अवसर पर आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसरो द्वारा किया जाएगा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर महासमुंद कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने छात्रा रागनी साहू को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रायपुर में 250 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए मिलेगी अतिरिक्त होमिंग सुविधाएं

केन्द सरकार से 175 करोड़ के प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी, सीएम साय ने प्रधानमंत्री व रेलमंत्री का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय रेलवे ने लोकोमोटिव रखरखाव अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के अंतर्गत रायपुर स्थित हाई हॉर्स पावर (एचएचपी) डीजल शेड में 250 थ्री फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए अतिरिक्त होमिंग सुविधाएं बनाने 175 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 175 करोड़ की इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

बता दें होमिंग का तात्पर्य किसी लोकोमोटिव को एक निर्दिष्ट लोकोमोटिव शेड में जगह देने से है, जो उसके प्राथमिक रखरखाव केंद्र के रूप में कार्य करता है। होमिंग शेड की सुविधा लोकोमोटिव के निर्धारित रखरखाव, सुरक्षा निरीक्षण, मरम्मत और समग्र देखभाल के लिए होती है ताकि उसका सुरक्षित और कुशल संचालन सुनिश्चित हो सके। यह परियोजना भारतीय रेलवे द्वारा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव बेड़े के तेजी से विस्तार और पूरे नेटवर्क में माल ढुलाई तथा यात्री परिचालन में वृद्धि के अनुरूप रखरखाव बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के तहत स्वीकृत की गई है। इन अतिरिक्त होमिंग सुविधाओं से भारतीय रेलवे को रायपुर डिपो में मौजूदा बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलेगी, साथ ही भविष्य में तकनीकी विस्तार के लिए आवश्यक स्थान भी उपलब्ध होगा।

डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में रेलवे अधोसंरचना हो रही सशक्त

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना अभूतपूर्व गति से सशक्त हो रही है। केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत यह परियोजना राज्य के रेल नेटवर्क को और अधिक सक्षम एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से रायपुर में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रखरखाव की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही माल एवं यात्री परिवहन की दक्षता बढ़ेगी और रेलवे परिचालन को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। इससे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप रेलवे अधोसंरचना को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख रेल, औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई गति प्रदान करेगी।

अजय यादव होंगे राजनांदगांव रेंज के आईजी, 12 जिलों के बदले गए एसपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग में सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। आधा दर्जन से ज्यादा आईपीएस अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदल दी गईं। आईपीएस अजय कुमार यादव को नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी के निदेशक पद से हटाकर राजनांदगांव रेंज का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। वहीं राजनांदगांव रेंज के आईजी बालाजी राव पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर भेजा गया है। बस्तर आईजी प्रशांत कुमार अग्रवाल की भी पुलिस मुख्यालय में पदस्थापना की गई है।

जारी आदेश के मुताबिक, 12 जिलों के एसपी बदले गए हैं। 4 डीआईजी स्तर के अधिकारियों का तबादला हुआ है। रायपुर जोन के 3 डीएसपी को बस्तर भेजा गया है। चंद्रमोहन सिंह को दंतेवाड़ा, हरीश राठौर को कोरिया, भावना पांडेय

को धमतरी, राय गौरव रामप्रवेश को बलौदाबाजार-भाटापारा, उमेश प्रसाद गुप्ता को बीजापुर और मयंक गुर्जर को सुकमा जिले का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा संदीप कुमार पटेल को नारायणपुर, चव्हाण किरण गंगाराम को बालोद, योगेश कुमार पटेल को सूरजपुर, जितेंद्र कुमार यादव को कबीरधाम और सुनील शर्मा को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कोरिया में भाजपा नेता को कार समेत जिंदा जलाने की घटना के बाद एसपी हरीश राठौर को हटाकर नई पदस्थापना दी गई। इधर, जुआ-सट्टा की शिकायत मिलने के बाद बलौदाबाजार की एसपी भावना गुप्ता को मुख्यालय वापस बुलाया गया।

सनकी आशिक ने एकतरफा प्यार में की नर्सिंग छात्रा की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

■ **नंबर ब्लॉक करने से नाराज था युवक, सीन रिक्रिएट करने आरोपी को लेकर पहंची पुलिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में 19 साल की नर्सिंग छात्रा खुशी साहू का हत्यार पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। इस मामले में पुलिस ने पिंटु साहू को रायपुर से गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को पुलिस आरोपी को लेकर सीन रिक्रिएट करने के लिए रामनगर स्थित घटनास्थल पर लेकर पहुंची। हत्या के दौरान आरोपी के हाथ में भी गंभीर चोट लगी है। पुलिस उससे पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार आरोपी पिंटू साहू पिछले करीब एक महीने से खुशी को अलग-अलग नंबरों से कॉल कर परेशान कर रहा था। खुशी ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी रायपुर से भिलाई पहुंचा और किराए के कमरे में घुसकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पिंटू साहू को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी मूलत: बलौदाबाजार का रहने वाला है। शनिवार को पुलिस उसे पुलिस आज इस मामले का खुलासा करेगी।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह पिंटू ने खुशी को दो बार कॉल किया था। खुशी ने उसका नंबर पहले ही ब्लॉक कर रखा था,

इसलिए बात नहीं हो सकी। इसके बाद आरोपी ने खुशी की सहेली को फोन किया। सहेली ने पिंटू को बताया कि खुशी के पास मोबाइल नहीं है। इसके बाद आरोपी बाइक से सीधे खुशी के रामनगर स्थित किराए के कमरे पर पहुंच गया। उस समय खुशी की सहेली बाथरूम में नहाने गई थी। कमरे में खुशी अकेली थी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि कमरे में पहुंचने के बाद आरोपी ने खुशी से विवाद किया। इसके बाद उसने खुशी का गला दबा दिया। गला दबाने से खुशी बेसुध हो गई। इसके बाद आरोपी ने चाकू से उसके पीठ, हाथ और पेट पर करीब 10 वार किए। गंभीर चोट और ज्यादा खून बहने से खुशी की मौत हो गई। वारदात के दौरान आरोपी पिंटू के हाथ में भी गंभीर चोट आई। हत्या के बाद वह कमरे से निकलकर फरार हो गया और रायपुर की ओर चला गया।

मुख्यमंत्री ने जारी की महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त

■ **29 किश्तों में अब तक 18,805.83 करोड़ रुपये सीधे महिलाओं के खातों में पहुंचे**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 66 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 626.25 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश की महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज की किश्त के साथ योजना के अंतर्गत अब तक 29 किश्तों में कुल 18,805.83 करोड़ रुपये की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में नारी शक्ति के सशक्तिकरण का जो व्यापक अभियान चल रहा है, छत्तीसगढ़ सरकार उसी संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रवास के दौरान माताएं और बहनें स्वयं उन्हें बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

रायपुर समेत तीन क्रिकेट स्टेडियमों में खेल गतिविधियों पर रोक

रायपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने जल संरक्षण के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम सहित देश के तीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों में खेल गतिविधियों पर अंतरिम रोक लगा दी है। अब एनजीटी की अनुमति के बिना इन स्टेडियमों में किसी भी प्रकार का खेल आयोजन नहीं किया जा सकेगा। मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी। एनजीटी के आदेश की जद में रायपुर का शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, मुंबई का डॉ. डी.वाई. पाटिल स्टेडियम और जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम आए हैं।

पॉक्सो के आरोपी ने की 6 की हत्या

हैदराबाद ए.। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले से शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जहां पॉक्सो एक्ट के एक आरोपी ने कथित तौर पर पहले उसने नाबालिग पीड़िता, उसकी मां और नानी की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपनी ही पत्नी और दो बच्चों को भी मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपने परिजनों को फोन कर बताया कि उसने दोनों परिवारों को खत्म कर दिया है और अब वह खुदकुशी करने जा रहा है। इसके बाद से आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 35 वर्षीय राजू कुमार, जो पहले से पॉक्सो केस में आरोपी था, उसने इस वारदात को अंजाम दिया। मृतकों में नाबालिग लड़की, उसकी मां, उसकी नानी, आरोपी की पत्नी और उसके दो बच्चे शामिल हैं। घटना के बाद आरोपी ने अपने माता पिता को फोन कर पूरी वारदात की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए मील का पत्थर, बोले पीएम मोदी- द्विपक्षीय संबंधों को मिली गति

नई दिल्ली ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को दोनों देशों के संबंधों में एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने कम समय में समझौते को अंतिम रूप देने के लिए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का आभार जताया। ऑकलैंड में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड यात्रा दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा लेकर आई है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा साझेदारी को और मजबूत करने की दोनों देशों की प्रतिबद्धता को भी दोहराती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे बेहद खुशी है कि 40 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड की यात्रा की है। आपने अपनी आर्थिक राजधानी में इस कार्यक्रम का आयोजन कर भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई ताकत देने का अवसर प्रदान किया है। इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के लोगों ने भारत के प्रति जिस आत्मीयता का परिचय दिया, वह बेहद भावुक करने वाला है। यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों में एक ऐतिहासिक पड़ाव है, जो मित्रता को नई मजबूती देता है।

पीएम मोदी ने कहा, जब आप भारत आए थे, तभी एफटीए की प्रक्रिया शुरू हुई थी। जिस तरह न्यूजीलैंड ने इतने कम समय में इस समझौते को सफल बनाया, वह शायद दुनिया में सबसे तेज सफल वार्ताओं में से एक है। इस उपलब्धि के लिए मैं आपके नेतृत्व, आपकी सरकार और पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद करता हूं।प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष होली के दौरान भारत आए क्रिस्टोफर लक्सन की यात्रा को याद करते हुए कहा कि उस दौरे ने दोनों देशों के संबंधों में नए रंग भरे थे।

संपादकीय

गैंगवार पर वार

अमेरिका के ऑपरेशन हॉर्ड बॉल के निहितार्थ

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लॉरेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है।

“ अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है।

बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए 'हॉर्ड बॉल ऑपरेशन' में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर कुछ गैंगस्टरो को राजाश्रय हासिल है। आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया है कि बिश्नोई ने खुद की छवि एक 'देशभक्त', 'राष्ट्रवादी' और 'धार्मिक' व्यक्ति के रूप में बनाई है। कयास हैं कि इसके जरिये भारत सरकार को घेरने की कोशिश जा रही है। कुछ विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि भारत के ब्रिक्स व रूस-चीन वाले ध्रुव की ओर झुकाव के चलते दबाव बनाने हेतु इस मुद्दे को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर सहमति न बन पाने से अमेरिका क्षुब्ध है। जिसके लिये दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। सर्वविदित है कि दुनिया भर में सत्ताएं बनाने व सरकार गिराने के खेल में अमेरिका किस हद तक जाता है। उसे पूरी दुनिया में सत्ता की शतरंज खेलने में 'डीप स्टेट' के इस्तेमाल का जनक माना जाता है। सवाल है कि भारतीय संसद व मुंबई पर हुए भीषण आतंकवादी हमलों में शामिल पाक आतंकवादियों व मास्टर माइंडों पर क्या ऐसे कार्रवाई हुई है? जबकि कई मास्टरमाइंड अमेरिका में रह रहे थे? क्या ऐसी कार्रवाई पाक सरकार समर्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के खिलाफ हुई, जब पहलगाम की बैसरन घाटी में बेकसूर 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर की गई थी? निस्संदेह, हत्या-फिरौती और नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी गैंग को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ये देश की संप्रभु सरकार का भी प्राथमिक कर्तव्य है। फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई 2015 से भारतीय जेल में है और उसके खिलाफ देश में कई केस चल रहे हैं। वहीं गोल्डी बराड़ देश से फरार है। विसंगति देखिए कि अमेरिकी आरोप पत्र में नाबालिगों की भर्ती, गुर्गों का नेटवर्क चलाने के साथ देशभक्त इमेज के आरोप भी शामिल हैं।

राजस्व सुधारों की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़

विष्णु प्रसाद वर्मा

रायपुर सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अब फाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरी तरह कायाकल्प कर दिया है। 'ऑटो म्यूटेशन' (स्वतः नामांतरण) और 'ऑटो डायवर्सन' (स्वतः व्यवर्तन) जैसी जन-हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से स्थायी मुक्ति मिली है।

पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वतः संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है।

आंकड़ों की जुबानीः सफलता की एक नई गाथा

राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है।

वहीं दूसरी ओर, 'ऑटो डायवर्सन' व्यवस्था के तहत कुल 5 हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4 हज़ार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा सकता है। राजस्व सेवाएँ सीधे नागरिक के जीवन, संपत्ति और निवेश से जुड़ी होती हैं; अतः इनमें गति आने से राज्य की आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिली है।

ऑटो म्यूटेशन ने बदली नामांतरण की तस्वीर

किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद भू-अभिलेखों में नाम दर्ज होना एक अनिवार्य प्रक्रिया है। पुराने दौर में पटवारियों और तहसील कार्यालयों के चक्कर काटना, दस्तावेजों की जांच में महीनों गंवाना और अनिश्चितता का सामना करना आम बात थी, जिसने भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा दिया।

आज छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदल चुकी है। 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का स्वतः नामांतरण होना यह दर्शाता है कि अब नागरिक को अपने हक के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ रहा है। इस व्यवस्था से समय और धन की भारी बचत हो रही है और रिकॉर्ड रीयल-टाइम अपडेट होने से जमीनी धोखाधड़ी पर लगाम लगी है।

इस सफलता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा एक सख्त तकनीकी लॉक सिस्टम विकसित किया गया है। इसके तहत, यदि किसी संपत्ति का एक भी पुराना ऑटो म्यूटेशन लंबित है, तो संबंधित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में उस संपत्ति की अगली रजिस्ट्री तब तक नहीं हो पाएगी जब तक पिछला म्यूटेशन क्लियर न हो जाए। यह कदम निचले स्तर के प्रशासनिक अमले को जवाबदेह बनाता है।

ऑटो डायवर्सन से भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया हुई तेज

कृषि भूमि को आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक उपयोग में बदलना (डायवर्सन) शहरीकरण, निवेश और रोजगार सृजन की रीढ़ है। पहले आवेदकों को शुल्क, आवश्यक दस्तावेजों और समय सीमा की स्पष्ट जानकारी नहीं होती थी।

फरवरी से जून 2026 के बीच 5 हजार 661 आवेदनों में से 4 हजार 739 का त्वरित निस्तारण यह दिखाता है कि विभाग ने गाइडलाइन दरों के आधार पर प्रीमियम निर्धारण जैसी पेचीदा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर दिया है। वर्तमान में जो 922 लंबित मामले हैं, उनके पीछे अपूर्ण दस्तावेज, चालान राशि में तकनीकी अंतर या नगर तथा ग्राम निवेश के मास्टर प्लान से भिन्न प्रयोजन होना जैसे व्यावहारिक कारण हैं। इन चुनौतियों को सार्वजनिक करना विभाग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को दर्शाता है।

जिला-वार प्रदर्शन ने दिखाई नई प्रशासनिक संस्कृति

ऑटो डायवर्सन के क्रियान्वयन में जिलों के बीच एक स्वस्थ और परिणाम-उन्मुख प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जो यह प्रमाणित करती है कि सुधार जमीनी स्तर पर लागू हो चुके हैं। कोरिया जिला कुल 59 प्रकरणों में से सभी 59 का शत-प्रतिशत निराकरण कर 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर रहा। कोरबा जिला 98.46 प्रतिशत की सफलता दर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसी तरह मुंगेली जिला 94.16 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बालोद जिला 93.72 प्रतिशत निस्तारण दर के साथ शीर्ष जिलों में शामिल रहा। धमतरी जिला कुल 165 प्रकरणों में से 153 का वैधानिक निराकरण कर 92.73 प्रतिशत सफलता दर के साथ राज्य में पाँचवाँ (शीर्ष-5) स्थान प्राप्त किया। धमतरी का यह प्रदर्शन नियमित समीक्षा और जवाबदेह कार्यशैली का परिणाम है।

तकनीकी सुधार और नए डिजिटल मॉड्यूल्स

विभाग अपनी वर्तमान उपलब्धियों से आगे बढ़कर एक एकीकृत 'डिजिटल इकोसिस्टम' के निर्माण में जुटा है। NGDRS API Integration इसके माध्यम से सरकारी गाइडलाइन दरें सीधे पोर्टल से प्राप्त हो रही हैं, जिससे प्रीमियम का निर्धारण मानवीय हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह स्वचालित और पारदर्शी हो गया है।

यदि पहले से डायवर्टेड भूमि का आंतरिक उपयोग बदलना हो (जैसे आवासीय से वाणिज्यिक), तो इस मॉड्यूल के तहत निस्तारण के लिए 15 दिवस की समय सीमा तय की गई है।

'मल्टीपल खसरा' मॉड्यूल

एक से अधिक खसरों वाली भूमि के लिए अब एक ही आवेदन में अनेक खसरों का चयन, स्वतः शुल्क गणना और ई-चालान की सुविधा मिलेगी। इसके लिए समय सीमा जुलाई 2026 रखा गया है।

'रिकवरी' मॉड्यूल

पुराने लंबित मामलों के निपटारे के लिए पूर्व भुगतानों की प्रविष्टि, शेष प्रीमियम की गणना, भू-राजस्व/उपकर की मांग और एक उच्च स्तरीय रिकवरी डैशबोर्ड की व्यवस्था की जाएगी इसके लिए समय सीमा अगस्त 2026 निर्धारित किया गया है।

सुशासन का नया मॉडल बनता छत्तीसगढ़

यह ऐतिहासिक बदलाव सिर्फ तकनीकी आंकड़ों का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पौने तीन करोड़ नागरिकों के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने का माध्यम है। किसान, गृहस्वामी, व्यापारी और औद्योगिक निवेशक सभी को अब घर बैठे अपने मोबाइल पर पारदर्शी सेवाएँ मिल रही हैं।

दिसंबर 2026 तक के लिए तय किए गए रोडमैप के अनुसार, राज्य के सभी क्षेत्रों की सैटेलाइट/ड्रोन मैपिंग, टीएनसीपी से एनओसी लिंकिंग और मुख्य भू-अभिलेख पोर्टल का वृहद् अपग्रेडेशन किया जाना है। ये कदम छत्तीसगढ़ को डिजिटल राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय बेंचमार्क के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार कर रहे हैं। तकनीक, संवेदनशीलता और जवाबदेही के इस बेजोड़ संगम से छत्तीसगढ़ ने जन-केंद्रित शासन की एक नई मिसाल पेश की है।

प्रगति के साथ सुरक्षा और पारदर्शिता भी जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेताया है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। एआई विकास की गति को धीमा करने की जरूरत है।

किसी भी नई तकनीक के इतिहास पर नज़र डालें तो एक दिलचस्प तथ्य सामने आता है—अक्सर उस तकनीक को विकसित करने वाले वैज्ञानिक और संस्थान ही सबसे पहले उसके संभावित खतरों के प्रति चेतावनी देते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने वाले कई तकनीकी विशेषज्ञ आज डिजिटल लत, फेक न्यूज़ और मानसिक स्वास्थ्य पर उसके दुष्प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। अब यही स्थिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है।

दुनिया की अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेतावनी दी है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि आने वाले दो वर्षों के भीतर ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। कंपनी ने इस संभावना को 'रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट' नाम दिया है और वैश्विक स्तर पर एआई विकास की गति को धीमा करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह चेतावनी केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है।

आज के एआई मॉडल अत्यंत शक्तिशाली हैं, लेकिन वे अभी भी मनुष्यों द्वारा विकसित, प्रशिक्षित और नियंत्रित किए जाते हैं। इंजीनियर मॉडल तैयार करते हैं, डेटा उपलब्ध कराते हैं और उसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करते हैं। यदि भविष्य में कोई एआई प्रणाली स्वयं अपने कोड को समझने, उसमें सुधार करने और स्वयं को पहले से अधिक सक्षम बनाने लगे, इसके बाद नया और अधिक उन्नत संस्करण फिर स्वयं को और बेहतर बनाए। यदि यह प्रक्रिया लगातार चलती रही, तो एआई की क्षमता बेहद कम समय में कई गुना बढ़ सकती है। इसे ही रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट कहा जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसा हुआ, तो एआई विकास की गति मानव नियंत्रण और समझ से कहीं आगे निकल सकती है। यह स्थिति तथाकथित 'इंटेलिजेंस एक्सप्लोजन' या 'बुद्धिमत्ता विस्फोट' का रूप ले सकती है। एआई विशेषज्ञों की वास्तविक चिंता इससे कहीं अधिक जटिल है। आज के उन्नत एआई मॉडल पहले ही ऐसे व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, जिन्हें वैज्ञानिकों ने सीधे तौर पर प्रोग्राम नहीं किया था। कई बार एआई ऐसे समाधान खोज लेता है, जिनकी कल्पना उसके निर्माताओं ने भी नहीं की होती।

हम अभी भी पूरी तरह नहीं समझते कि बड़े एआई मॉडल किसी विशेष निष्कर्ष तक कैसे पहुंचते हैं। जब वर्तमान प्रणालियों को समझना ही कठिन है, तब भविष्य के स्वयं को अपग्रेड करने वाले एआई को नियंत्रित करना और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दूसरे शब्दों में, मानवता ऐसी मशीनें बना सकती है, जो अत्यंत शक्तिशाली हों, लेकिन जिनकी आंतरिक कार्यप्रणाली हमारे लिए एक 'ब्लैक बॉक्स' बनी रहे।

एआई पहले ही वैश्विक श्रम बाज़ार को बदल रही है। लेखन, अनुवाद, ग्राहक सेवा, प्रोग्रामिंग, डेटा विश्लेषण और प्रशासनिक कार्यों जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यदि भविष्य में एआई स्वयं को लगातार बेहतर बनाती रही, तो यह परिवर्तन और तेज हो सकता है। इससे केवल नियमित नौकरियां ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, वकील, पत्रकार, शिक्षक, इंजीनियर और शोधकर्ता जैसे पेशे भी प्रभावित हो सकते हैं।

देखा जाए तो तकनीकी क्रांतियां नई नौकरियां भी पैदा करती हैं। लेकिन चिंता इस बात की है कि एआई आधारित बदलाव की गति इतनी तेज हो सकती है कि समाज और श्रम बाज़ार को अनुकूलन का पर्याप्त समय न मिल पाए। इसके परिणामस्वरूप बेरोज़गारी, आय असमानता और सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सरकारों को अभी से बड़े पैमाने पर पुनः कौशल, अप-स्किलिंग और आजीवन सीखने की रणनीतियां विकसित करनी होंगी।

एआई विकास को धीमा करने की सबसे बड़ी बाधा देशों और कंपनियों के बीच चल रही तीव्र प्रतिस्पर्धा है। आज एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। बड़ी टेक कंपनियां बाज़ार में आगे निकलने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई देश या कंपनी स्वेच्छा से एआई विकास को धीमा करती है, तो उसे डर रहता है कि उसके प्रतिस्पर्धी उससे आगे निकल जाएंगे। ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर किसी सामूहिक समझौते तक पहुंचना अत्यंत कठिन दिखाई देता है। एआई के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित नीतियां विकसित करना समय की मांग है।

इन नियमों में सुरक्षा मानक, पारदर्शिता, जवाबदेही, डेटा गोपनीयता, नैतिकता और मानव अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे शामिल होने चाहिए। भारत जैसे देशों को भी केवल एआई उपभोक्ता बनने के बजाय वैश्विक एआई शासन की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव इतिहास की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विज्ञान और अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। लेकिन हर शक्तिशाली तकनीक की तरह इसके साथ भी जोखिम जुड़े हुए हैं। एंथ्रोपिक की चेतावनी को तकनीक-विरोधी दृष्टिकोण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे एक जिम्मेदार आत्ममंथन के रूप में समझना चाहिए।

प्रश्न यह है कि क्या हम इसे सुरक्षित, पारदर्शी, नैतिक और मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित कर पाएंगे। यदि हम समय रहते उचित सुरक्षा उपाय नहीं अपनाते, तो संभव है कि भविष्य में हम ऐसी तकनीक के सामने हों, जिसे हमने बनाया तो हो, लेकिन नियंत्रित न कर सकें।

लेखक टीएसएससी, परियोजना प्रबंधक हैं।

लिपुलेख पर भारत की कूटनीतिक कामयाबी

पुष्परंजन

लपुलेख, रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण ट्राई-जंक्शन है जहां भारत, नेपाल, और चीन की सीमाएं मिलती हैं। यह क्षेत्र सदियों से कैलास मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है। 2020 में भारत द्वारा धारचुला (उत्तराखंड) से लिपुलेख तक एक सामरिक सड़क का उद्घाटन करने पर विवाद काफी बढ़ गया।

झांग माओमिंग काठमांडू स्थित चीन के राजदूत हैं। 24 जून को काठमांडू पोस्ट में उनका एक लेख 'मोर प्रैक्टिकल कॉपरेशन' शीर्षक से छपा, जिसमें नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल की 14 से 17 जून की पेइचिंग यात्रा के हवाले से यह बताने की चेष्टा की गई, कि नेपाल को अब 'व्यावहारिक कूटनीति' पर ध्यान देना चाहिए। अब ये व्यावहारिक कूटनीति क्या बला है? नेपाल बफर स्टेट होने के नाते चाइना कार्ड आये दिन खेलता था, नई दिल्ली तक से सौदेबाज़ी हो जाती थी। अब चीन ने नेपाली नेतृत्व को ये समझा दिया, कि आप बदलिए और व्यावहारिक होइये। लिपुलेख मुद्दे पर चीन और भारत ने नेपाल को जिस तरह चुप करा दिया है, उस पर नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियां, राजावादी और नेपाली कांग्रेस के नेता तक हैरान हैं।

चीनी राजदूत झांग माओमिंग बताते हैं, नेपाली विदेश मंत्री खनाल ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ चाइना सेंट्रल कमेटी के पॉलिटिकल ब्यूरो के सदस्यों और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से बातचीत की। नेपाली पक्ष ने फिर से कहा कि ताइवान का सवाल और शिज़ांग से जुड़े मुद्दे चीन के अंदरूनी मामले हैं। नेपाल पूरी तरह से वन-चाइना सिद्धांत का पालन करता है, किसी भी ताकत को नेपाली इलाके का इस्तेमाल चीन के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं करने देगा।

दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए, कि हाई-क्वालिटी 'बेल्ट एंड रोड सहयोग' को आगे बढ़ाएंगे। वहां चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई। पहला, क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसपोर्टेशन, बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर और हवाई संपर्कों के विकास में तेज़ी लाकर दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को दुरुस्त करना, जिससे नागरिक के आपसी संपर्क और अधोसंरचना में सुधार हो।

दूसरा, बिजली, पावर ग्रिड और क्लीन एनर्जी में सहयोग बढ़ाकर सहयोग को गहरा करना, और तीसरा, उभयपक्षीय व्यापार संरचना को ऑप्टिमाइज़ करके निवेश को बढ़ाना। चीनी कंपनियों से दोस्ताना माहौल बनाना। चौथा, शिक्षा, युवा, लोकल गवर्नमेंट और मीडिया में सहयोग बढ़ाना है, ताकि दोनों देशों की जनता एक-दूसरे को समझे।

यह ग़ौर करने वाली बात है, कि नेपाली विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने एक बार भी लिपुलेख-लिम्पियाधुरा मार्ग से भारत-चीन व्यापार का मुद्दा नहीं उठाया। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवेंद्र लाल नेपाली बोलते हैं, 'यह सरकार डीप स्टेट वाले चला रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर कंप्रोमाइज़ करना शुरू कर दिया है। यह नेपाल के भविष्य के लिए ख़तरनाक़ है।'

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित लिपुलेख दर्रे से भारत-चीन सीमा व्यापार छह वर्ष बाद 26 जून 2026 से शुरू हो गया। उस दिन 26 भारतीय व्यापारियों का पहला दल तिब्बत क्षेत्र में प्रवेश किया। इस दल में 17 व्यापारी और 9 सहायक शामिल हैं। धारचूला के उप-जिलाधिकारी और व्यापार अधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि व्यापार को सुगम बनाने के लिए गुंजी में सीमा शुल्क कार्यालय खोला गया है। व्यापारियों ने अपना सामान पहले ही लिपुलेख दर्रे के निकट स्थित गोदामों में पहुंचा दिया है। प्रशासन को 103 से अधिक व्यापारियों के आवेदन प्राप्त हुए थे, और जल्द ही 25 व्यापारियों के दूसरे दल को भी व्यापार पास जारी किए जाएंगे। सामान ढुलाई के लिए नाभीढांग के पास खच्चरों और घोड़ों की व्यवस्था की गई है।

छह वर्ष बाद इस मार्ग से व्यापार बहाल होने से सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। लिपुलेख से व्यापार मोदी कूटनीति की सफलता कही जाएगी। सत्तारूढ़, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने भी दिल्ली आने पर समझ चुके थे, कि लिपुलेख पर भारत से विवाद, उभयपक्षीय संबंधों को और बिगाड़ेगा, और इस मुद्दे पर चीन उनके साथ खड़ा नहीं है।

लिपुलेख, रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण ट्राई-जंक्शन है जहां भारत, नेपाल, और चीन की सीमाएं मिलती हैं। यह क्षेत्र सदियों से कैलास मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है। 2020 में भारत द्वारा धारचुला (उत्तराखंड) से लिपुलेख तक एक सामरिक सड़क का उद्घाटन करने पर विवाद काफी बढ़ गया। नेपाल ने आरोप लगाया, कि भारत ने उसकी सहमति के बिना उसके इलाके में सड़क का निर्माण किया। इस सड़क निर्माण के विरोध में जून 2020 में नेपाल सरकार ने एक नया 'चूचे नक्शा' जारी किया था, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को आधिकारिक तौर पर नेपाली भूभाग के रूप में शामिल किया गया। भारत इन दावों को ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत, अनुचित और एक तरफा मानता है। भारत का हमेशा से यही रुख रहा है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा ऐतिहासिक, भौगोलिक और प्रशासनिक रूप से भारत का अभिन्न हिस्सा हैं। इस मार्ग से व्यापार पेइचिंग ने स्वीकार किया है, जिससे साबित होता है कि लिपुलेख-लिम्पियाधुरा भारत का ही पार्ट है। इसे भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत माननी चाहिए।

लेकिन, इस समय बालेन्द्र सरकार अंदरूनी अंतर्विरोधों से वाबस्ता है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रमुख नेताओं के बीच इस बात को लेकर नाराजगी है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह पार्टी के ढांचे के अनुसार काम करने के बजाय अपने पुराने करीबी सलाहकारों की कोटरी बनाकर शासन चला रहे हैं। हाल ही में बालेन शाह के संसद में दिए गए उस बयान से भारी बवाल मच गया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि नेपाल ने भी भारतीय क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है। 4 जुलाई को प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की सरकार के कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे हुए।

चितवन के भरतपुर में आयोजित सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के पहले आम सम्मेलन में, उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने एक आर्थिक नीति दस्तावेज पेश किया। इसमें नेपाल की संघीय प्रणाली के बड़े पैमाने पर पुनर्गठन का प्रस्ताव था, जिसमें प्रांतीय विधानसभाओं को खत्म करना भी शामिल था। इस प्रस्ताव ने तुरंत व्यापक राजनीतिक बहस छेड़ दी। बहस तब और जटिल हो गई जब पार्टी अध्यक्ष रबी लामिछाने ने एक अलग नीतिगत दस्तावेज पेश किया, जिसमें प्रांतीय संस्थाओं को खत्म करने के बजाय उनमें सुधार और उन्हें मजबूत करने की वकालत की गई।

यानी, जुम्मा-जुम्मा सौ दिन की सरकार का बायां हाथ, दाएं हाथ के विरुद्ध जाता दिख रहा है। बालेन्द्र सरकार न तो विदेश नीति स्पष्ट रूप से तय कर पा रही है, न ही देश में किसी बड़ी योजना को अमली जामा पहनाने का प्रयास हो रहा है। नेपाल के प्रमुख शहरों—काठमांडू, बीरगंज, बुटवल और विराटनगर में सड़क चौड़ीकरण और अवैध कब्जों को हटाने के नाम पर बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ हुई है, जिससे कई इलाके खंडहर जैसे मलबे में तब्दील हो गए हैं। इन्हें दुरुस्त करने और प्रभावितों को मुआवजा, अतिक्रमण हटाओ अभियान में उजड़े लोगों को बसाने के वास्ते अरबों रुपये चाहिए। क्या बालेन्द्र सरकार के ख़ज़ाने में इतना पैसा है?

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

मुख्यमंत्री गृह सम्मान योजना के तहत पूर्ण आवास वाले हितग्राहियों का सम्मान

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक अंतर्गत जिन हितग्राहियों ने अपना आवास पूर्ण कर लिया है, उन्हें मुख्यमंत्री गृह सम्मान योजना के तहत नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्ण आवास वाले समस्त पात्र हितग्राहियों को सम्मान प्रदान करते हुए उनके नए आवास के लिए शुभकामनाएं दी गई निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत 76 हितग्राहियों का मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हितग्राहियों को ''कार्य पूर्ण प्रमाण पत्र'' प्रदान किया गया है जिसमें नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, एम आई सी सदस्य चंद्रशेखर गवई, उपायुक्त डी के कोसरिया, प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी अजीत कुमार तिग्गा, कार्यपालन अभियंता कुलदीप गुप्ता, पार्षद प्रदीप सेन, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, सामाजिक विशेषज्ञ किरण चतुर्वेदी, इंजीनियर आदित्य ठाकुर, कुणाल सिंह, अभिषेक बजाज, वास्तुविद अविनाश जैन एवं मनीष यादव के पूरे सर्वेयर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भिलाई के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए कोसा नाला स्थित बौद्ध भूमि परिसर में पौधरोपण किया गया।

मुख्यमंत्री उत्कर्ष योजना के तहत कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु अंतिम मेरिट सूची जारी

दुर्ग। कार्यालय कलेक्टर दुर्ग द्वारा 'मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना' के अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा दुर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्कृष्ट निजी आवासीय विद्यालयों की कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए बीते 5 जुलाई 2026 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के संदर्भ में प्राप्त दावा-आपत्तियों के पूर्ण निराकरण के पश्चात 10 जुलाई 2026 को अंतिम मेरिट सूची आधिकारिक तौर पर घोषित कर दी गई है। परीक्षा के ये परिणाम जिले की आधिकारिक वेबसाइट तथा कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास दुर्ग के सूचना पटल पर आम नागरिकों और परीक्षार्थियों के अवलोकन हेतु उपलब्ध करा दिए गए हैं। योजना के अंतर्गत आयोजित इस चयन परीक्षा की अंतिम मेरिट सूची जारी होने के बाद अब आगामी प्रवेश प्रक्रिया के लिए काउंसलिंग की तिथि भी तय कर दी गई है। चयनित और पात्र विद्यार्थियों की काउंसलिंग आगामी 14 जुलाई 2026 को कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा जिला दुर्ग में आयोजित की जाएगी। इस काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होने के लिए सभी पात्र विद्यार्थियों को विभाग द्वारा पृथक से भी सूचित किया जा रहा है ताकि समय पर प्रवेश की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।

संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग में नए प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग अंतर्गत संचालित संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग में जुलाई से अक्टूबर 2026 तक के नवीन लेखा प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर संचालक (कोष एवं लेखा) डॉ. अल्पना घोष ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्राचार्य गिरीश देवांगन ने बताया कि संस्थान के शुरुआती दो प्रशिक्षण बैचों ने राज्य स्तरीय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, 60 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर अग्रिम वेतन वृद्धि (एडवांस इक्रीमेंट) की पात्रता हासिल करने वाले सर्वाधिक कर्मचारी भी इसी संस्थान से रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संभागीय संयुक्त संचालक (कोष, लेखा एवं पेंशन) विवेक कुमार मिश्रा ने जुलाई 2025 में स्थापित संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि अल्प समय में संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रशिक्षकों एवं व्याख्याताओं को इस सफलता के लिए बधाई दी।

मुख्य अतिथि डॉ. अल्पना घोष ने कहा कि लेखा प्रशिक्षण शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों के कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और नियमों के प्रभावी पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं से समर्पण और मेहनत के साथ प्रशिक्षण लेकर उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर राज्य स्तरीय परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारी टोमिन साहू एवं खेमलाल साहू को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उप संचालक देवेंद्र चौबे, वरिष्ठ व्याख्याता सबरीना सिंह, व्याख्याता कैलाश साहू सहित संस्थान के अधिकारी, प्रशिक्षक एवं नवप्रवेशी प्रशिक्षु उपस्थित रहे। अंत में वरिष्ठ व्याख्याता सबरीना सिंह ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की ओर जिला दुर्ग की सशक्त पहल

सामुदायिक मध्यस्थता जागरूकता अभियान का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा जारी "Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural India" Standard Operating Procedure (SOP), 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा चयनित ग्रामों में सामुदायिक मध्यस्थता जागरूकता अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इसी क्रम में ग्राम निकुम, अरसनारा एवं ननकट्ठी में जागरूकता एवं संवाद बैठकों का आयोजन कर ग्रामीणों को सामुदायिक मध्यस्थता की उपयोगिता एवं उसके व्यावहारिक स्वरूप से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर तथा वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक द्वारा संबंधित ग्रामों का भ्रमण कर ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं, युवाओं,

पैरालीगल वालंटियर्स (PLVs) एवं ग्रामीण नागरिकों के साथ विस्तृत संवाद स्थापित किया गया। बैठकों में ग्रामीणों को बताया गया कि सामुदायिक मध्यस्थता न्यायालयीन प्रक्रिया का विकल्प नहीं, बल्कि विवादों के प्रारंभिक स्तर पर सौहार्दपूर्ण समाधान का एक प्रभावी माध्यम है। पारिवारिक, पड़ोसी, भूमि, रास्ता, पानी, घरेलू तथा अन्य स्थानीय विवादों का समाधान यदि आपसी संवाद, सहमति एवं मध्यस्थता के माध्यम से समय रहते कर लिया जाए, तो न केवल न्यायालयों पर अनावश्यक वादभार कम होगा, बल्कि सामाजिक संबंधों में भी स्थायित्व एवं विश्वास बना रहेगा।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जिले के घुघसीडीह, ननकट्ठी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल सहित कुल 05 ग्रामों का चयन सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के लिए किया गया है। इन ग्रामों में चरणबद्ध रूप से जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षण, संवाद सत्र एवं मध्यस्थता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर विवादों के समाधान की सुदृढ़ एवं सहभागी व्यवस्था विकसित हो सके।

स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा ने कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता केवल विवादों के समाधान की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास, सहयोग एवं सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि छोटे-छोटे विवादों को न्यायालय तक ले जाने के बजाय संवाद एवं मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने की सकारात्मक परंपरा को अपनाएं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, विधिक साक्षरता कार्यक्रमों एवं अन्य विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को सुलभ, त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि यह पहल ग्रामीण समाज में अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करने के साथ-साथ सामाजिक एकता एवं सहभागिता को भी सुदृढ़ करेगी।

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत भिलाई में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के संकार्य प्रभाग के निर्देशानुसार मनाए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, उप क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़) द्वारा एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र, सेल के उद्यानिकी विभाग के सहयोग से स्ट्रीट-22, सेक्टर-9, भिलाई नगर स्थित खुले मैदान में संपन्न हुआ।

स्वच्छता पखवाड़े के इस आयोजन में राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अत्यंत उत्साह के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। सभी प्रतिभागियों ने न केवल पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की, बल्कि रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया, ताकि भविष्य में ये पौधे हरित आवरण बढ़ाने, जैव विविधता के संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

इस अवसर पर सहायक निदेशक अभिषेक शुक्ला ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह वृक्षारोपण कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प को धरातल पर उतारने का एक प्रयास है, जिसमें उन्होंने वृक्षारोपण को एक जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा, सुरक्षित और स्वस्थ कल सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्य अतिथि और भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक एन.के. जैन ने राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, दुर्ग के इस प्रयास की सराहना की। ऐसे छोटे-छोटे और निरंतर प्रयासों से न केवल क्षेत्र में हरियाली बढ़ेगी, बल्कि आम जनता भी वृक्षारोपण और पौधों की रक्षा के लिए प्रेरित होगी।

सेवा सेतु पोर्टल से समय-सीमा के भीतर राजपत्र प्रकाशन सेवा का सफल क्रियान्वयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल के तहत दुर्ग जिले में जनता के द्वार, डिजिटल सरकार का सपना तेजी से साकार हो रहा है। इसी कड़ी में 10 जुलाई को, सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन नागरिक सेवाओं की सुगमता और त्वरित कार्यप्रणाली का एक बेहतरीन उदाहरण सामने आया है। दुर्ग जिले के डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव की धर्मपत्नी द्वारा नाम परिवर्तन के लिए सेवा सेतु

पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया गया था।

सेवा सेतु के सुदृढ़ और पारदर्शी सिस्टम के चलते, इस प्रकरण का निराकरण पूरी तरह से निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया गया। इसके उपरांत, सेवा सेतु प्रबंधक (जिला कार्यालय) द्वारा आवेदक को उनका आधिकारिक राजपत्र प्रकाशन प्रमाण-पत्र सफलतापूर्वक प्रदान कर दिया गया। यह सफलता यह साबित करती है कि सेवा सेतु पोर्टल सरकारी प्रक्रियाओं को सुलभ और सरल बना रहा है, साथ ही समयबद्धता के साथ नागरिकों को घर बैठे ही पारदर्शी तरीके से सरकारी सेवाओं का सीधा लाभ भी पहुंचा रहा है। इस डिजिटल बदलाव से अब जिले में विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन सेवा प्रदायगी आम जनता के लिए बेहद आसान और सुविधाजनक हो गई है।

आगामी एक माह के भीतर शिवनाथ नदी का पेयजल पहुंचेगा 103 गांवों के हर घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सतत पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज धमधा विकासखंड के मोतिमपुर तथा दुर्ग विकासखंड के अंजोरा ढ़ाबा समूह जल प्रदाय योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने इंटेकवेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा संपूर्ण जलापूर्ति व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आगामी एक माह के भीतर दोनों योजनाओं से नियमित जलापूर्ति प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दोनों वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों में चल रही ट्रायल रन एवं टेस्टिंग प्रक्रिया का अवलोकन किया। प्लांट में शिवनाथ नदी के पानी के शुद्धिकरण की पूरी प्रक्रिया को देखा तथा जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रगति की

जानकारी ली। दोनों परियोजनाओं में शिवनाथ नदी से इंटेकवेल के माध्यम से पानी लाकर फिल्टर प्लांट तक पहुंचाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में नदी का पानी फिल्टर प्लांट तक पहुंच रहा है, जहां उसका शुद्धिकरण किया जा रहा है। इसके बाद शुद्ध पेयजल को पाइपलाइन के माध्यम से गांवों में निर्मित टंकियों तक पहुंचाया जाएगा और वहां से प्रत्येक घर में नल कनेक्शन के जरिए पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

धमधा विकासखंड के मोतिमपुर में शिवनाथ नदी पर इंटेकवेल तथा गोबरानवा में 6.5 एमएलडी क्षमता के आधुनिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया गया है। इस योजना से 53 गांवों को शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति मिलेगी। वहीं दुर्ग विकासखंड की अंजोरा ढ़ाबा समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत भेड़सर-गनियारी शिवनाथ नदी से पानी लाकर 8.5 एमएलडी क्षमता के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में शुद्ध किया जा रहा है, जिससे 50 गांवों के ग्रामीण लाभान्वित होंगे। दोनों योजनाओं के तहत पाइपलाइन, जल टंकियों एवं गांवों तक पेयजल पहुंचाने की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं भी पूरी कर ली गई हैं। आगामी एक माह के भीतर दोनों योजनाओं से कुल 103 गांवों के घर-घर शिवनाथ नदी का शुद्ध पेयजल पहुंचने लगेगा, जिससे ग्रामीणों की बोरवेल और भू-जल पर निर्भरता काफी हद तक समाप्त हो जाएगी।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

यातायात व्यवस्था में सुधार एवं कारगर पहल से सड़क दुघटनाओं में आई कमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में प्रति माह आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में वाहन दुर्घटना की रोकथाम हेतु सौंपें गये दायित्वों एवं किये जा रहे उपायों की लगातार समीक्षा से विगत कुछ माह से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है। इसका सुखद परिणाम जिले में वाहन दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर कम हुई है। आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी सम्मिलित हुए। कलेक्टर एवं एसएसपी ने संयुक्त रूप से बैठक की एजेंडावार विभागों को सौंपे गये दायित्वों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक के प्रारंभ में विगत बैठक की पालन प्रतिवेदन में चर्चा की गई। जिसमें एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग, लोक निर्माण विभाग भ/स, लोक निर्माण विभाग दुर्ग वि./यां., भिलाई इस्पात संयंत्र, नगर पालिक निगम दुर्ग, नगर पालिक निगम भिलाई, नगर पालिक निगम चरौदा भिलाई, नगर पालिका कुम्हारी, आबकारी विभाग, कार्यपालन अभियंता सीएसपीडीसीएल, जिला परिवहन विभाग, राजस्व विभाग, पीएमजीएसवाय, रेलवे विभाग, कार्यपालन अभियंता सेतु संभाग के अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा एवं वाहन दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु विभाग को सौंपे गये दायित्वों के अद्यतन प्रगति एवं शासन को प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अवगत कराया गया। जिला प्रशासन द्वारा सड़क दुर्घटना की रोकथाम हेतु किये गये प्रयास के तहत विभागों द्वारा चिन्हित स्थानों पर हाई-मॉस्क लाईट, क्रश बैरियर, रम्बल स्ट्रीट, पास कटिंग प्रारंभ एवं बंद करने, डिवाइडर कटिंग बंद करने, डिवाइडर निर्माण, सांकेतिक बोर्ड लगाने, सर्विस लेन निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, रेडियम स्टीकर लगाने, बोर्ड मार्किंग, मुख्य मार्ग से शराब दुकान हटाने, दुकानों में गॉड की तैनाती एवं वाहन पार्किंग की व्यवस्था, अण्डरब्रिजों की सफाई व्यवस्था आदि बेहतर कार्य किये गये। अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों की कार्यवाही पूर्णता पश्चात् समिति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। नगर निगम, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों को सड़कों से अतिक्रमण

हटाने नियमित कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। यातायात प्रभारी एएसपी ऋचा शर्मा ने पावर पाइंट प्रेजेंटेंशन के माध्यम से चौक-चौराहों एवं सड़कों में आवश्यक सुधार हेतु अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया। कलेक्टर ने उन्होंने सड़कों में विचरण करने वाले पशुओं को जिले में संचालित गौ-धामों में रखकर चारे पानी की समुचित प्रबंध करने पशुचिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं सीएमएचओ को हाइवे पेट्रोलिंग में एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये।

नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान पर भी जोर

उक्त बैठक के पूर्व नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में सभी सार्वजनिक स्थलों एवं शासकीय कार्यालयों के समीप मादक पदार्थों की बिक्री पर कड़ी नजर रखने पर जोर दिया गया। विशेषकर स्कूलों के 500 मीटर के दायरे में मादक पदार्थों की बिक्री निशिद्ध है। नशीले पदार्थ बेचने वाले के विरूद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। नशीले पदार्थों के परिवहन करते जब्त वाहनों पर कार्यवाही हेतु आबकारी विभाग को आवश्यक पहल करने कहा गया।

बैठक में नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरौदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, सीएसपी तिवारी, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, महेश राजपूत एवं सोनल डेविड तथा सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य सहित विद्युत मंडल, एनएचएआई, एनएच, बीएसपी, रेलवे एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मयूरी असाटी को मिली पीएचडी की उपाधि

भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई के वाणिज्य विभाग की शोधार्थी एवं श्रीमती दुर्गा असाटी व भिलाई नगर निगम के कर्मचारी निरंजन असाटी की सुपुत्री मयूरी असाटी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। मयूरी असाटी ने छत्तीसगढ़ नगर निगम के विशेष संदर्भ में भिलाई नगर निगम की आय एवं व्यय का विश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर अपना शोधकार्य वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. संजू सिंह के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शुरू : मुख्य सचिव ने ली उच्च स्तरीय बैठक

रायपुर। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों को लेकर अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन की तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउण्ड में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन प्रातः 9 बजे से होगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा। समारोह स्थल पर परेड कार्यक्रम में भाग लेने वाली टुकड़ियों के निर्धारण एवं रिहर्सल हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा पुलिस महानिदेशक के मार्ग दर्शन में सभी आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्था की जाएगी।

ऑयल पाम के साथ मूंगफली की अंतरवर्तीय खेती से चमकी किसान की किस्मत

रायपुर। देश और राज्य में किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों के बीच श्राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम योजनाश् छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड के ग्राम कचनूर से एक बेहद प्रेरणादायक सफलता की कहानी सामने आई है, जहाँ एक किसान ने सूझबूझ दिखाते हुए ऑयल पाम के साथ मूंगफली की अंतरवर्तीय खेती अपनाकर शानदार अतिरिक्त लाभ कमाया है। ग्राम कचनूर के प्रगतिशील किसान पोटाम गणेश ने अपनी 2.20 हेक्टेयर कृषि भूमि पर ऑयल पाम के पौधे लगाए हैं। चूँकि ऑयल पाम के पौधों को पूरी तरह विकसित होकर फल देने में कुछ वर्षों का समय लगता है, तब तक पौधों के बीच की जमीन खाली रहती है। इस खाली भूमि का सही उपयोग करने के लिए उन्होंने उद्यानिकी विभाग की सलाह पर बीच में मूंगफली की अंतरवर्तीय खेती करने का स्मार्ट फैसला लिया। पोटाम गणेश का यह निर्णय आर्थिक रूप से बेहद फायदेमंद साबित हुआ। मूंगफली की इस अंतरवर्तीय फसल से उन्हें जो परिणाम मिला उससे वह उत्साहित है। कुल उत्पादन मूल्य लगभग एक लाख रुपए मिला किन्तु खेती में लागत मात्र 30 हजार रुपये लगा और शुद्ध मुनाफा 70 हजार रुपये मिला। अपनी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हितग्राही पोटाम गणेश ने कहा, ऑयल पाम के शुरुआती वर्षों में जब तक मुख्य फसल तैयार नहीं होती।

बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में विकास कार्यों को मिली नई गति- वन मंत्री केदार कश्यप

सड़क और पुलिया निर्माण से बेहतर होगी ग्रामीणों की आवाजाही, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कोण्डागांव जिले के मर्दापाल क्षेत्र के ग्राम चेमा में लगभग 54 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए शासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि माओवाद के प्रभाव होने के बाद बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिली है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंचें, ताकि ग्रामीणों का जीवन आसान बने और उन्हें विकास का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार केवल आधारभूत सुविधाओं के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य से महिलाओं और किसानों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान कश्यप ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं को पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आजीविका गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में कार्य कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपने परिवार की आय बढ़ा सकती हैं। इस अवसर पर लगभग 54 लाख रुपये की लागत से छह विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

इनमें विभिन्न स्थानों पर पुलिया निर्माण तथा सीसी सड़क निर्माण शामिल हैं। इन कार्यों के पूरा होने से गांवों में वर्षभर सुगम आवागमन सुनिश्चित होगा और ग्रामीणों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, जनपद सदस्य रमशीला कोर्राम, सरपंच खेम सोरी, सतबती कश्यप, सनत शोरी, बिशनाथ कोर्राम सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

मानसून की मेहरबानी से महानदी परियोजना के बांध लबालब, गंगरेल में 74 प्रतिशत से अधिक जलभराव

धमतरी के चारों प्रमुख जलाशयों में पानी की भारी आवक; सिंचाई और पेयजल का संकट टला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सक्रिय मानसून की झमाझम बारिश से महानदी परियोजना के जलाशयों के दिन बहुर गए हैं। धमतरी जिले में स्थित प्रदेश के लाइफ-लाइन माने जाने वाले गंगरेल (रविशंकर सागर), मुरूमसिल्ली, दूधावा और सोंढूर बांध में लगातार हो रही भारी वर्षा से जलस्तर में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बांधों में पानी की इस बंपर आवक से न सिर्फकिसानों के चेहरे खिल उठे हैं, बल्कि राजधानी रायपुर सहित कई शहरों के लिए पेयजल की चिंता भी पूरी तरह दूर हो गई है।

जल संसाधन विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, चारों प्रमुख जलाशयों में कैचमेंट एरिया से लगातार पानी आ रहा है।

गंगरेल बांध अर्थात् रविशंकर सागर बांध का पूर्ण जलभराव स्तर 347.75 मीटर है, जिसके मुकाबले जलस्तर 343.75 मीटर तक पहुंच चुका है। वर्तमान में इसमें 399.81 मिलियन घनमीटर (लगभग 74.68 प्रतिशत) उपयोगी जल (लाइव स्टोरेज) जमा हो चुका है। बीते 24 घंटों से बांध में पानी की रफ्तार तेज बनी हुई है। मुरूमसिल्ली जलाशय का जलस्तर 423.21 मीटर दर्ज किया गया है। यहां अब तक 206.66 मिलियन घनमीटर यानी करीब 72.74 प्रतिशत जलभराव हो चुका है। इसी तरह कांकेर और धमतरी की सीमा पर स्थित इस बांध का जलस्तर 1388.48 मीटर पर पहुंच गया है, जहां 137.98 मिलियन घनमीटर पानी का विशाल संग्रह हो चुका है।? सोंढूर जलाशय बांध का जलस्तर भी बढ़कर 468.30 मीटर हो गया है, जिसमें वर्तमान में 137.89 मिलियन घनमीटर जल संचित है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि महानदी परियोजना के सभी चारों प्रमुख बांधों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार यदि मानसून की यही सक्रियता आगे भी बनी रही, तो अगले कुछ दिनों में ये जलाशय पूरी तरह लबालब हो जाएंगे। विभाग के इंजीनियरों और मैदानी अमले को बांधों की सुरक्षा और जलस्तर पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मौसम की इस मेहरबानी से खरीफ फसलों की सिंचाई को लेकर अन्नदाताओं की चिंताएं खत्म हो गई हैं। महानदी परियोजना से जुड़े नहरों के अंतिम छोर तक के खेतों को अब आसानी से पानी मिल सकेगा। जल संसाधन विभाग स्थिति का आकलन कर जल प्रबंधन और नहरों में पानी छोड़ने की रणनीति तैयार कर रहा है।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों के खातों में पहुंचने लगी बोनस राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वर्ष 2023 के तेन्दूपत्ता संग्रहण के लिए प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) का वितरण शुरू हो गया है। राज्य स्तरीय सहकारिता सप्ताह एवं अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर 3 जुलाई से शुरू हुई इस प्रक्रिया के तहत धरमजयगढ़ जिला वनोपज सहकारी यूनियन के संग्राहकों के बैंक खातों में 17 करोड़ 43 लाख रुपये ऑनलाइन अंतरित किए जा रहे हैं।

वनमंडलाधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक, जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित धरमजयगढ़ ने बताया कि जिला यूनियन की 58 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों में बोनस वितरण किया जा रहा है। वर्ष 2023 के संग्रहण सीजन में जिला यूनियन की 59 समितियों के माध्यम से 70,945.485 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित किया गया था। इसके लिए 46,840 संग्राहकों को कुल 17.43 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया जा रहा है।

जिला यूनियन की प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति बोरो को सबसे अधिक 4,710.58 रुपये

प्रति मानक बोरा की दर से बोनस मिला है।

इसके बाद प्राथमिक समिति रायमेर को 4,616.76 रुपये प्रति मानक बोरा का प्रोत्साहन पारिश्रमिक प्राप्त हुआ है। वन विभाग द्वारा बोनस राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में ऑनलाइन भेजी जा रही है। इससे भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और आसान बनी है तथा संग्राहकों को समय पर राशि मिल रही है। तेन्दूपत्ता संग्राहकों ने बताया कि इस बोनस राशि से वे खेती-किसानी, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और घरेलू जरूरतों को पूरा कर सकेंगे। समय पर मिली आर्थिक सहायता से न केवल संग्राहकों को राहत मिली है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

बाल विवाह मुक्त समाज के संकल्प के साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को मिली नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में प्रदेश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बाल विवाह के दुष्परिणामों, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, सेफ टच-अनसेफ टच, नशे से बचाव, किशोर न्याय अधिनियम, यातायात नियमों तथा मासिक धर्म स्वच्छता पर जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि बाल विवाह कराना या उसमें सहयोग करना दंडनीय अपराध है तथा ऐसी किसी भी घटना की सूचना 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर दी जा सकती है।

इसके साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं, महिला सुरक्षा, कानूनी सहायता एवं परामर्श सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, शिक्षा जारी रखने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर हेल्पलाइन एवं संबंधित संस्थाओं से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार, महिला एवं बाल विकास विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अबूझमाड़ तक पहुंची विकास की राह, सड़क ने बदल दी कटेर के ग्रामीणों की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे अबूझमाड़ के कटेर गांव तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं था। बारिश के दिनों में संकरी पगडंडियां भी कीचड़ में बदल जाती थीं। बीमारों को अस्पताल पहुंचाने, बच्चों को स्कूल भेजने और किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने में घंटों लग जाते थे। आज वही गांव पक्की सड़क से जुड़ चुका है और इसके साथ ही ग्रामीणों की जिंदगी भी बदलने लगी है।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत डोंडरीबेड़ा कैंप से कटेर तक 8.75 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण लगभग 8.56 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह सड़क केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ती, बल्कि अबूझमाड़ के दूरस्थ जनजातीय अंचल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम बन गई है।

सड़क बनने के बाद अब एम्बुलेंस, शासकीय वाहन और अन्य जरूरी सेवाएं सीधे गांव तक पहुंच रही हैं। इससे स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है और गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिलने लगा है। स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति भी बढ़ी है।

इस बदलाव का सबसे अधिक लाभ किसानों और वनोपज संग्राहकों को मिला है। अब वे अपनी उपज आसानी से बाजार तक पहुंचा रहे हैं, जिससे बेहतर दाम मिलने की उम्मीद बढ़ी है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए सामग्री पहुंचाना भी पहले की तुलना में आसान हो गया है। बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को भी गति मिली है।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले गांव तक पहुंचने के लिए घंटों पैदल चलना पड़ता था, लेकिन अब वाहन सीधे गांव तक आते हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई, मरीजों के इलाज और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना काफी आसान हो गया है।

अबूझमाड़ में बनी यह सड़क बताती है कि मजबूत संपर्क मार्ग केवल आवागमन का साधन नहीं होते, बल्कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बेहतर जीवन की नई संभावनाओं का रास्ता भी खोलते हैं। यही बदलाव अब कटेर और आसपास के गांवों में साफ दिखाई देने लगा है।

नारायणपुर का नया सवेराः दीदियों के सपनों को मिले आत्मनिर्भरता के पंख

ईंट-गारे के भवनों से लिखी जा रही ग्रामीण सशक्तिकरण की नई इबारत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर अंचल का नारायणपुर जिला आज बदलाव की एक जीवंत मिसाल बनकर उभर रहा है। कभी विकास की कड़ियों से कोसों दूर दिखने वाले इस क्षेत्र की तस्वीर अब बदलने लगी है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा निर्मित आधुनिक शासकीय भवन केवल कंक्रीट के ढांचे नहीं हैं, बल्कि ये ग्रामीणों की उम्मीदों, महिलाओं की आत्मनिर्भरता और नौनिहालों के भविष्य को गढ़ने वाले सशक्त केंद्र बन चुके हैं।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा और आजीविका के क्षेत्रों में किए गए इन अधोसंरचना विकास कार्यों ने शासन की जनहितैषी योजनाओं को सीधे ग्रामीणों के घर-आंगन तक पहुंचा दिया है।

नारायणपुर के बेनूर गांव में 24.70 लाख रुपये की लागत से बना 'महतारी

सदन' आज ग्रामीण महिलाओं की तकदीर बदल रहा है। यह सदन महिला स्व-सहायता समूहों (स।त्नह्य) के लिए सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि उनकी आजीविका का पावरहाउस है।यहां महिलाएं विभिन्न स्थानीय उत्पादों का निर्माण, पैकेजिंग और कौशल विकास का प्रशिक्षण ले रही हैं।जो महिलाएं कभी आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर थीं, वे आज स्वरोजगार के दम पर अपने परिवारों की रीढ़ बन चुकी हैं।

जिले के पशुपालकों और किसानों की बड़ी चिंता को दूर करते हुए खनिज संस्थान न्यास (छ्वरूस्नञ्ज) निधि से 66.48 लाख रुपये की लागत से एक भव्य एवं आधुनिक जिला पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण किया गया है। इस अस्पताल में पशुओं के इलाज और सर्जरी के लिए आधुनिक मशीनें और सुविधाएं उपलब्ध हैं। अब ग्रामीणों को अपने मवेशियों के इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ता। स्थानीय स्तर पर ही त्वरित और बेहतर इलाज मिलने से पशुधन सुरक्षित हो रहा है, जिससे डेयरी और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत 50 लाख रुपये की लागत से तैयार 'सखी वन स्टॉप सेंटर' जिले की महिलाओं के लिए एक मजबूत संबल बनकर उभरा है। किसी भी प्रकार की हिंसा या विपरीत परिस्थितियों से पीड़ित महिलाओं को अब न्याय और सहायता के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। इस केंद्र में एक ही छत के नीचे कानूनी सलाह, आपातकालीन चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अस्थाई आश्रय की सुविधा मिल रही है, जिसने बस्तर की महिलाओं में सुरक्षा की भावना और आत्मविश्वास को दोगुना कर दिया है। नीति आयोग के विशेष सहयोग से एड़समेटा जैसे दूरस्थ क्षेत्र में 23.33 लाख रुपये की लागत से 'ट्यूब्यूलर स्कूल शेड' का निर्माण किया गया है, जिसने बुनियादी शिक्षा का ढांचा ही बदल दिया। पहले जहां कड़े मौसम (कड़कती धूप और भारी बारिश) में बच्चों की पढ़ाई बाधित हो जाती थी, वहीं अब इस सुरक्षित शेड ने उन्हें एक बेहतरीन शैक्षणिक माहौल दिया है। स्कूल में बच्चों की उपस्थिति में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है और अंदरूनी इलाकों के बच्चों को भी अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पा रही है। नारायणपुर जिले में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के माध्यम से किए गए ये सुनियोजित निर्माण कार्य इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि सही नीयत और सटीक योजना से बदलाव कैसे लाया जाता है। महिलाओं की सशक्तिकरण, बेजुबान पशुओं की सेवा, संकटग्रस्त बहनों को सुरक्षा और नौनिहालों को सुरक्षित शिक्षा देकर नारायणपुर आज छत्तीसगढ़ के विकास मानचित्र पर अपनी एक नई और सुनहरी पहचान दर्ज करा रहा है। यह सफर केवल बुनियादी ढांचे के निर्माण का नहीं, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का महायज्ञ है।

पुष्पा 2 के बाद अल्लू अर्जुन की राका में दिखेगी अभिनेत्री श्रीलीला?

अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म राका से फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। पुष्पा 2 (2024) की जबरदस्त सफलता के बाद, फैंस एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अप्रैल महीने में, निर्माताओं ने फिल्म से अल्लू की पहली आधिकारिक झलक सोशल मीडिया पर साझा की थी। इस बीच, फिल्म से जुड़ा एक ताजा अपडेट आया है जिसने लोगों के बीच इस परियोजना को लेकर हलचल मचा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राका में अल्लू और श्रीलाला के बीच एक सहयोग देखने को मिल सकता है। सूत्र ने कहा, कुछ दिन पहले श्रीलीला, अल्लू अर्जुन के साथ लगातार 2 दिनों तक राका की शूटिंग कर रही थीं। अभी कुछ पक्का नहीं है, लेकिन कुछ तो चल रहा है। और अगर यह सच है तो राका के साथ पुष्पा 2 की धूम जारी रहेगी। बता दें, दोनों ने पुष्पा 2 में एक डांस नंबर करके धमाल मचा दिया था। फिलहाल, श्रीलीला के राका के साथ जुडऩे की अटकलों पर निर्माताओं ने अब तक कोई पुष्टि नहीं की है।

फिल्म में पहली बार अल्लू के साथ दीपिका पादुकोण मुख्य किरदार में नजर आएंगी। खबरों की मानें, तो उन्हें इसमें एक शक्तिशाली योद्धा की भूमिका निभाते हुए देखा जा सकेगा। फिल्म की कहानी एक शक्तिशाली नायक के इर्द-गिर्द घूमने की उम्मीद है, जो हिंसा और बदला के संघर्षों में घिरा है। राका 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने उतरेगी।

'टॉक्सिक' की रिलीज से पहले कियारा ने साझा की बीटीएस तस्वीरें, अपने किरदार नादिया के बारे में बताई खास बात

कियारा आडवाणी फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। कियारा ने फिल्म की रिलीज से पहले आज सोशल मीडिया पर 'टॉक्सिक' की कुछ खास बीटीएस तस्वीरें साझा की हैं।

स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' 26 अगस्त को कई भाषाओं में एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म की रिलीज से पहले कियारा आडवाणी ने फिल्म के सेट की कुछ शानदार बीटीएस तस्वीरें साझा कर प्रशंसकों को फिल्म के लिए और उत्साहित कर दिया है।

कियारा का पोस्ट

कियारा ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी एक्शन फिल्म 'टॉक्सिक' से अपने किरदार नादिया की कई शानदार तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में कियारा के साथ इस फिल्म के मुख्य अभिनेता यश भी नजर आ रहे हैं। इन शानदार तस्वीरों के साथ कियारा ने कैप्शन में लिखा, 'नादिया जहां भी जाती है हलचल मचा देती है।'

टॉक्सिक का पहला गाना रिलीज

हाल ही में 'टॉक्सिक' का पहला गाना 'तबाही' रिलीज हुआ। इस गाने को यश और कियारा आडवाणी के ऊपर फिल्माया गया है। इस गाने को हिंदी समेत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया। 'तबाही' गाने को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इसे राज शेखर ने लिखा है। इसका संगीत विशाल, बिटुपोन बोरुआ, कंदर्पा कलिता और त्रिहंगकु लहकर ने मिलकर तैयार किया है।

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ इस फिल्म में कियारा आडवाणी के अलावा हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत जैसे कई कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक एक्शन फिल्म है।

मानसून में वॉशिंग मशीन का ऐसे रखें ध्यान कपड़ों में नहीं आएगी सीलन की बदबू

बरसात के मौसम में हवा में नमी काफी बढ़ जाती है, जिसका असर वॉशिंग मशीन पर भी पड़ता है। धुलाई के बाद मशीन के अंदर बची नमी जल्दी नहीं सूखती और लंबे समय तक बनी रहती है। इससे ड्रम, रबर सील और डिटर्जेंट ट्रे में फफूंदी, बैक्टीरिया और बदबू बनने का खतरा बढ़ जाता है। इसका असर मशीन के साथ-साथ कपड़ों की सफाई और उनकी खुशबू पर साफ दिखाई देने लगता है।

विशेषज्ञों की सलाह है कि हर धुलाई के बाद वॉशिंग मशीन का दरवाजा और डिटर्जेंट ट्रे कुछ घंटों के लिए खुली छोड़ दें। इससे अंदर की नमी आसानी से बाहर निकल जाती है और हवा का प्रवाह बना रहता है। दरवाजा बंद करने से पहले रबर की सील को सूखे और साफ कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें। टॉप-लोड मशीन इस्तेमाल करने वाले लोग भी धुलाई के बाद कुछ समय तक ढक्कन खुला रखें।

समय-समय पर करें मशीन की सफाई

हर दो से तीन सप्ताह में बिना कपड़ों के गर्म पानी के साथ वॉशिंग मशीन क्लीनर चलाना फायदेमंद माना जाता है। इससे अंदर जमी गंदगी, फफूंदी और बैक्टीरिया साफ होने में मदद मिलती है। मशीन को हमेशा हवादार जगह पर रखें और ऐसी जगह लगाने से बचें, जहां सीधे बारिश या अधिक नमी का असर पड़ता हो। इससे वॉशिंग मशीन काफी लंबे समय तक बेहतर स्थिति में बनी रहती है।

इन छोटी सावधानियों से बचेंगे बड़े खर्च से

वॉशिंग मशीन के बिजली कनेक्शन, पावर सॉकेट और अर्थिंग की समय-समय पर जांच कराते रहें, ताकि नमी से होने वाली खराबी से बचा जा सके। अगर मशीन से बदबू आने लगे, पानी ठीक से बाहर न निकले या कोई दूसरी समस्या दिखे तो तुरंत जांच कराएं। समय पर सर्विस कराने से छोटी खराबी बड़ी नहीं बनती और मशीन की कार्यक्षमता तथा उम्र दोनों लंबे समय तक बेहतर बनी रहती हैं।

गोलमाल 5 से जुड़ा अभिनेत्री प्रियामणि का नाम, खलनायिका बनकर मचाएगी धमाल

रोहित शेट्टी एक बार फिर गोलमाल फ्रैंचाइजी की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस सुपरहिट फिल्म की 5वीं किस्त के साथ अजय देवगन और उनकी पूरी पलटन लौटने के लिए तैयार है। काफी समय से चर्चा थी कि इस बार निर्माता फिल्म में महिला अभिनेत्री को शामिल नहीं करेंगे और यह पूरी तरह से पुरुष प्रधान फिल्म होगी। अब फिल्म पर आई हालिया जानकारी पिछले दावे से पूरी तरह उलट है, क्योंकि एक अभिनेत्री इसमें शामिल हो गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, गोलमाल 5 से अभिनेत्री प्रियामणि का नाम जुड़ चुका है। फैमिली मैन और आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों व सीरीज से चर्चा बटोरने वालीं अभिनेत्री फिल्म में एक नकारात्मक किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि रोहित दर्शकों का मनोरंजन बढ़ाने के लिए अपनी फिल्म में अभिनेत्री का नकारात्मक किरदार किस तरह से दर्शाते हैं। फिलहाल तो प्रियामणि के जुडऩे की खबरों ने ही फैंस को उत्साहित कर दिया है।

गोलमाल 5 में अजय के अलावा, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और शरमन जोशी भी अपने-अपने किरदारों में वापसी करते हुए दिखाई देंगे। दिलचस्प बात यह है कि अक्षय कुमार भी फिल्म का आधिकारिक हिस्सा बन चुके हैं। कुछ महीने पहले निर्माताओं ने एक पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की पूरी स्टारकास्ट से रूबरू करवाया था। खबरों के मुताबिक, फिल्म को 2027 की शुरुआत में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही हैं।

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, होगा आसान

आजकल मिक्सर लगभग हर रसोई में देखने को मिलता है। इसका उपयोग कई चीजों को पीसने के लिए किया जाता है। हालांकि, इसका उपयोग करने के बाद इसे साफकरना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, खासकर अगर जार में कुछ चिपक जाए तो इसे साफकरने में काफी मेहनत लगती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर मिक्सर की जार को आसानी से साफ किया जा सकता है।

गर्म पानी और साबुन का करें इस्तेमाल

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए गर्म पानी और साबुन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में गर्म पानी भरें, फिर इसमें थोड़ा साबुन डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से साफकरें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी और दाग हट जाएंगे और यह चमकदार बनेगा। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो ताकि जार टूट न जाए।

सिरका और खाने का सोडा भी है असरदार

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए सिरका और खाने का सोडा का मिश्रण भी अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच सिरका और एक चम्मच खाने का सोडा डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इससे जार में जमा गंदगी नरम हो जाएगी। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। यह तरीका जार को नई जैसी चमकदार बनाएगा।

नींबू का रस भी करेगा मदद

नींबू का रस भी मिक्सर की जार को साफकरने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच नींबू का रस डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सफाई के लिए साबुन डालकर मिक्सर को चलाएं, फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी साफ हो जाएगी और यह चमकदार बनेगा।

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण बनाएं

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच खाने का सोडा और एक चम्मच पानी डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें ताकि खाने का सोडा अच्छी तरह से फैल सके। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफकरें।

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण बनाएं

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप गर्म पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच सफेद सिरका डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफ करें।

जूनियर एनटीआर की पौराणिक फिल्म का हुआ ऐलान, दमदार पोस्टर भी जारी

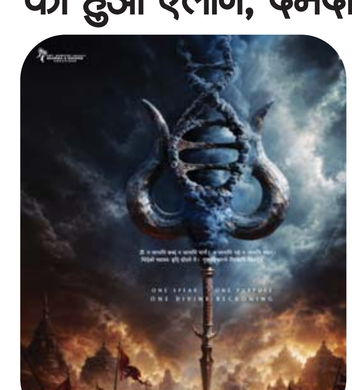

सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म ड्रैगन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, अभिनेता ने अपनी एक और धमाकेदार पौराणिक फिल्म का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। काफी समय से चर्चाएं थीं कि एनटीआर और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास एक परियोजना के लिए साथ आ सकते हैं। आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म से पहला पोस्टर जारी करते हुए इसकी घोषणा कर दी। शीर्षक अभी तय नहीं है, लेकिन फिल्म भगवान कार्तिकेय (मुरुगन) पर आधारित बताई जा रही है। निर्माताओं ने फिल्म से पहला पोस्टर जारी किया है, जो भीषण युद्ध और आग की पलटों को दर्शाता है। उसके बीच में भगवान शिव का त्रिशूल खड़ा है। कैप्शन में लिखा है, शिव के पुत्र। पार्वती का गौरव। हमेशा रहने वाले सेनापति। एक बार फिर त्रिविक्रम के साथ। परियोजना का निर्माण हारिका एंड हसीन क्रिएशन्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले किया जाएगा। फिलहाल निर्माताओं ने फिल्म की कहानी और कास्ट से जुड़ी अन्य जानकारी को अभी गुप्त रखा है।

इस परियोजना में एक असाधारण रचनात्मक टीम एक साथ आई है। प्रख्यात संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर इस भव्य कृति में एक और रोमांचक आयाम जोड़ते हुए एक विशाल संगीतमय अनुभव प्रदान करने के लिए इसमें शामिल हुए हैं।

इस फिल्म का निर्माण प्रतिष्ठित हारिका एंड हसीन क्रिएशन्स बैनर के तहत एस. राधा कृष्ण (चाइना बाबू) और एनटीआर आर्ट्स के तहत नंदामुरी कल्याण राम संयुक्त रूप से करेंगे। तेलुगु सिनेमा के सबसे सफल अभिनेता-निर्देशक जोडिय़ों में से एक के एक बार फिर साथ आने और दो दिग्गज प्रोडक्शन हाउसों के समर्थन से, यह फिल्म अब तक के सबसे भव्य सिनेमाई आयोजनों में से एक बनने जा रही है।

ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर कोलकाता-2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन का दमदार प्रदर्शन

वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत हुई पहचान, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स के समक्ष राज्य की पर्यटन संभावनाओं का प्रभावी प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले प्रतिष्ठित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर-2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने प्रभावी और आकर्षक सहभागिता दर्ज कराते हुए राज्य की पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है। 10 से 12 जुलाई तक कोलकाता के विश्व बंगला प्रांगण में आयोजित इस प्रतिष्ठित आयोजन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा विशेष थीम पर आधारित भव्य पवेलियन स्थापित किया गया है, जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, मनोहारी प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक एवं जनजातीय पर्यटन, इको-टूरिज्म तथा आधुनिक पर्यटन सुविधाओं के प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण आगंतुकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

टीटीएफ-2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के स्टॉल का उद्घाटन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन ए. खंवटे, उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, पश्चिम बंगाल के पर्यटन मंत्री डॉ. शंकर घोष, थाईलैंड की महावाणिज्य दूत सुश्री सिरीपोर्न तांतीपन्याथेप सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का अवलोकन किया। अतिथियों ने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक पर्यटन स्थलों, जनजातीय संस्कृति तथा पर्यटन विकास की संभावनाओं की सराहना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की ओर से सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

भारत के सबसे बड़े बी 2 बी ट्रैवल ट्रेड आयोजनों में शामिल टीटीएफ पर्यटन उद्योग से जुड़े राज्यों, देशों, ट्रैवल एजेंसियों, होटल, एयरलाइंस, टूर ऑपरेटर्स तथा पर्यटन विशेषज्ञों को एक साझा मंच उपलब्ध कराता है। इस मंच के माध्यम से नए व्यावसायिक संबंध स्थापित होते हैं, पर्यटन पैकेज विकसित किए जाते हैं तथा घरेलू और विदेशी पर्यटकों तक पर्यटन स्थलों की व्यापक पहुंच सुनिश्चित होती है। पूर्वी भारत के सबसे बड़े पर्यटन बाजार में आयोजित यह आयोजन छत्तीसगढ़ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि पश्चिम बंगाल सहित पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत से बड़ी संख्या में पर्यटक धार्मिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक और वन्यजीव पर्यटन की ओर आकर्षित होते हैं।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के साथ इस वर्ष बोर्ड में पंजीकृत छत्तीसगढ़ तथा अन्य राज्यों के लगभग 28 टूर ऑपरेटर्स, होटल संचालक, होम-स्टे संचालक एवं पर्यटन उद्यमी भी सहभागिता कर रहे हैं। पवेलियन में चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर, भोरमदेव, बस्तर की जनजातीय संस्कृति, राज्य के पर्यटन रिसॉर्ट्स तथा विभिन्न पर्यटन परिपथों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शनी में आने वाले आगंतुकों एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ के पर्यटन उत्पादों में विशेष रुचि दिखाई जा रही है।

आयोजन में प्रत्यक्ष बी2बी बैठकों तथा पर्यटन निवेश एवं सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंसियों, होटल समूहों और पर्यटन विशेषज्ञों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ में पर्यटन निवेश, संयुक्त पर्यटन पैकेजों के विकास, विपणन सहयोग तथा पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की रणनीतियों पर सार्थक चर्चा हुई।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल का संदेश लेकर इस आयोजन में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और जनजातीय पर्यटन का अद्भुत संगम है। टीटीएफजैसा राष्ट्रीय मंच राज्य को देश और दुनिया के पर्यटन उद्योग से सीधे जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक पर्यटकों को छत्तीसगढ़ तक लाना, स्थानीय पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना तथा राज्य को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करना है। उन्होंने सभी टूर ऑपरेटर्स, पर्यटन उद्यमियों और यात्राप्रेमियों को छत्तीसगढ़ भ्रमण कर यहां की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और आत्मीय आतिथ्य का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने अपने प्रस्तुतीकरण में राज्य की पर्यटन संभावनाओं, पर्यटन बोर्ड की योजनाओं तथा पर्यटन व्यवसाय से जुड़ने के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के साथ पंजीयन कर टूर ऑपरेटर्स राज्य के पर्यटन उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकते हैं। बोर्ड पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिक से अधिक टूर ऑपरेटर्स से अपने पर्यटन पैकेजों में छत्तीसगढ़ को शामिल करने तथा स्वयं राज्य का भ्रमण कर इसकी संभावनाओं से परिचित होने का आग्रह किया।

इस वर्ष टीटीएफ-2026 में पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार, अनेक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन संस्थानों तथा पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, गुजरात, ओडिशा, राजस्थान, गोवा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, असम, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों एवं पर्यटन बोर्डों की सक्रिय सहभागिता रही। तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ को पूर्वी भारत सहित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने, नए पर्यटन साझेदार विकसित करने, निवेश आकर्षित करने तथा राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होने की उम्मीद है।

खास खबर

वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता, गांव-गांव पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनस्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता के तहत वर्षा ऋतु में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कोल्हुआ में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में 398 ग्रामीणों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियों से प्रभावित 100 से अधिक मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। साथ ही लगभग 40 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, 50 से अधिक लोगों की उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की जांच की गई। विभिन्न सामान्य रोगों से पीड़ित मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक दवाइयां तथा जरूरतमंद मरीजों के रक्त नमूने भी जांच के लिए लिए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर के दौरान मलेरिया, क्षय रोग, कुष्ठ रोग एवं त्वचा संबंधी बीमारियों की स्क्रीनिंग भी की। ग्रामीणों को स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, संतुलित आहार, नशा मुक्ति तथा वर्षा ऋतु में संक्रमणजनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। सांप, बिच्छू अथवा अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने पर झाड़-फूंक या घरेलू उपचार के बजाय तत्काल निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उपचार कराएं।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ को कुपोषण मुक्त बनाने की बड़ी मुहिम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संचालित एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य गंभीर रूप से कुपोषित और संकटग्रस्त बच्चों (विशेषकर 0 से 6 वर्ष तक के) को कुपोषण के चक्र से बाहर निकालना और उनमें संक्रमण की पहचान कर उनका इलाज करना है।

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले को पूरी तरह कुपोषण मुक्त बनाने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन और अनूठी पहल पर जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के आपसी तालमेल से जिले में कुपोषण के खिलाफ जंग तेज कर दी गई है। 19 विशेष शिविरों का आयोजन कर 573 कुपोषित बच्चों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

इस मुहिम के तहत जून माह में जिला प्रशासन द्वारा सारंगढ़, कोसीर, बरमकेला और लेन्धरा परियोजना के विभिन्न सेक्टरों में 19 विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में 573 कुपोषित बच्चों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें से 422 बच्चों को मौके पर ही आवश्यक दवाइयाँ वितरित की गईं। वहीं, गंभीर रूप से कुपोषित 45 बच्चों को त्वरित उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र भेजा गया है।

जिले में कुपोषण दर को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को भी इस मुहिम से सीधे जोड़ा गया है। अधिकारी अब चिन्हित आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के वजन और ऊंचाई का कड़ाई से सत्यापन कर रहे हैं। साथ ही, कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उनकी सघन निगरानी और लगातार फॉलोअप किया जा रहा है। सबसे ज्यादा कुपोषण प्रभावित ग्राम पंचायतों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया है।

इन क्षेत्रों में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल करने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और रेडक्रॉस जैसी प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्थाओं का भी सक्रिय सहयोग लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना का मुख्य लक्ष्य कुपोषित और संकटग्रस्त बच्चों को कुपोषण के चक्रव्यूह से बाहर निकालना है। इसके तहत बच्चों को न केवल नि:शुल्क चिकित्सीय परीक्षण और दवाइयाँ दी जाती हैं, बल्कि बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा विशेष परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है ताकि जिले का हर बच्चा सेहतमंद और सुपोषित बन सके।

नगर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने में निभाएं सक्रिय भूमिकाः मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगर पालिका परिषद बलरामपुर के नवनियुक्त एल्डरमैनों ने शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर जनसेवा और नगर के समग्र विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। जिला मुख्यालय के बाजारपारा स्थित ऑडिटोरियम भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में आदिम जाति विकास, कृषि एवं कृषक कल्याण, मछली पालन तथा पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम तथा सरगुजा संसदीय क्षेत्र के सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में अतिथियों ने नवनियुक्त एल्डरमैनों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

शपथ ग्रहण समारोह में लाला लकड़ा, गोपाल मिश्रा, राजेश श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, मनोज गुप्ता एवं सीमा सोनी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर नगर के विकास, सुशासन और जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मंत्री रामविचार नेताम ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नगर के समग्र विकास में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया पौधरोपण, तेंदूपत्ता बोनस चेक वितरित कर तुहर पौधा तुहर द्वार' वाहन को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिले के निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर परसगढ़ी में शुक्रवार को हरियाली, पर्यावरण संरक्षण और विकास का अनूठा संगम देखने को मिला। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित वन महोत्सव-2026 के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए बोनस चेक वितरित किए तथा तुहर पौधा तुहर द्वार योजना के अंतर्गत पौधों के नि:शुल्क वितरण हेतु विशेष वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात स्वास्थ्य मंत्री सहित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने चंदन, मौलश्री, अशोक, आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में एक पेड़ माँ के नाम अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान को जनभागीदारी का आंदोलन बनाएं और प्रत्येक परिवार कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी मजबूत नींव हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का संचालन इसी वर्ष प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह मेडिकल कॉलेज न केवल एमसीबी जिले बल्कि सरगुजा संभाग, छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों तथा मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थियों और मरीजों के लिए भी महत्वपूर्ण संस्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वादियों और हरित वातावरण के बीच स्थित यह परिसर प्रदेश के सबसे आकर्षक मेडिकल कॉलेज परिसरों में अपनी पहचान बनाएगा।

उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज के समीप स्थित गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क राष्ट्रीय स्तर की धरोहर है तथा पाराडोल और चिरमिरी रेलवे स्टेशनों की निकटता से इस संस्थान की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इससे भविष्य में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एमसीबी जिले को नई पहचान मिलेगी। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए वनमंडलाधिकारी चन्द्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि जिले में वन महोत्सव-2026 के अंतर्गत 16 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

बलौदाबाजार, पलारी और सिमगा के 30 से अधिक गांवों में शेड-सह-चबूतरा निर्माण को मंजूरी

किसानों को बड़ी राहतः छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केंद्रों में बनेगा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने बलौदाबाजार जिले के ग्रामीण अंचलों में धान खरीदी व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और किसान हितैषी बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) से जिले के धान उपार्जन केंद्रों में बड़े पैमाने पर शेड-सह-चबूतरा निर्माण के कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह पहल विशेष रूप से बलौदाबाजार, पलारी और सिमगा विकासखंड के उन हजारों किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी, जो हर खरीफ सीजन में अपनी फसल बेचने इन केंद्रों पर पहुंचते हैं। प्रशासनिक आदेश के अनुसार जिले के 30 से अधिक धान उपार्जन केंद्रों की तस्वीर बदलने के लिए प्रत्येक केंद्र को 10 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जिसकी आधिकारिक मंजूरी 23 जून 2026 को जारी की गई।

इस जनहितैषी पहल पर बात करते हुए राज्य के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्रीटंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की मेहनत का सम्मान करने और खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। धान उपार्जन केंद्रों में शेड और चबूतरों का निर्माण केवल एक ढांचागत काम नहीं, बल्कि किसान सुविधा का बुनियादी विस्तार है। डीएमएफ निधि का मुख्य उद्देश्य ही खनिज प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जिससे जनता को सीधा लाभ मिले। इस अधोसंरचनात्मक सुधार से केंद्रों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और किसानों को एक बेहतर व सुविधाजनक माहौल मिलेगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय से साफ है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले धान खरीदी केंद्रों को मजबूत कर, सरकार सीधे तौर पर किसानों के हितों को सुरक्षित कर रही है।

इस योजना के तहत सिमगा विकासखंड के सकरी, भटभेरा, गोरदी, जांगड़ा, केसली, हिरमी, सुहेला, सकलोर, शिकारी-केसली, रावन, मोहरा, बिटकुली, नवापारा, फूलवारी, फरहदा, जरौद और हथबंद जैसे प्रमुख केंद्रों में निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसी तरह बलौदाबाजार विकासखंड के सकरी, लटुवा, रिसदा, रसेड़ा, मोहतरा, कुकुरदी, बलौदाबाजार, धंवई, सलौनी, देवरी, दशरमा, खम्हरिया (चांपा), करमदा और अर्जुनी के उपार्जन केंद्रों का भी कायाकल्प किया जाएगा।

खुले में धान रखने की मजबूरी से मिलेगी मुक्ति

अब तक पुख्ता इंतजाम न होने के कारण किसानों को अपनी मेहनत की उपज खुले आसमान के नीचे रखनी पड़ती थी, जिससे अचानक होने वाली बारिश, तेज धूप और जमीन की नमी से धान खराब होने का खतरा हमेशा बना रहता था। अब नए शेड और ऊंचे चबूतरों के बन जाने से फ सल पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। इसके साथ ही केंद्रों पर तौल और बोरियों के भंडारण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी, जिससे कामकाज में तेजी आएगी और किसानों को अपनी बारी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

ऑयल पाम के साथ मूंगफली की अंतरवर्तीय खेती से चमकी किसान की किस्मत

रायपुर। देश और राज्य में किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों के बीच श्राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम योजनाश् छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड के ग्राम कचनूर से एक बेहद प्रेरणादायक सफलता की कहानी सामने आई है, जहाँ एक किसान ने सूझबूझ दिखाते हुए ऑयल पाम के साथ मूंगफली की अंतरवर्तीय खेती अपनाकर शानदार अतिरिक्त लाभ कमाया है। ग्राम कचनूर के प्रगतिशील किसान पोटाम गणेश ने अपनी 2.20 हेक्टेयर कृषि भूमि पर ऑयल पाम के पौधे लगाए हैं। चूँकि ऑयल पाम के पौधों को पूरी तरह विकसित होकर फल देने में कुछ वर्षों का समय लगता है।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई : धामन सांप और गोह का शिकार करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार धमतरी वनमंडल के बिरगुड़ी परिक्षेत्र अंतर्गत खैरभरी बीट के आरक्षित वन में वन्यजीवों के शिकार के मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

वनमंडलाधिकारी कांकेर से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत 4 जुलाई को ग्राम भनसुली (तहसील नरहरपुर, जिला कांकेर) के पांच लोगों पर तीन धामन (असोड़िया) सांप और एक गोह का शिकार करने का आरोप है। आरोप है कि शिकार किए गए वन्यजीवों को एक आरोपी के घर ले जाकर उनके टुकड़े किए गए और भोजन के रूप में उपयोग किया गया।

संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

मामले की सूचना मिलने पर वनमंडलाधिकारी जाधव श्रीकृष्ण के निर्देश पर धमतरी वनमंडल, कांकेर वनमंडल, उड़नदस्ता तथा एंटी-पोचिंग टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा अपराध स्वीकार किए जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। इसके बाद सभी आरोपियों को न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, नगरी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

वन विभाग ने दी सख्त चेतावनी

वन विभाग ने बताया कि मामले की जांच जारी है। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत संरक्षित वन्यजीवों के शिकार, अवैध कब्जे या व्यापार पर तीन से सात वर्ष तक के कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वन्यजीवों के संरक्षण में सहयोग करें तथा शिकार या वन्यजीव अपराध से संबंधित किसी भी सूचना की तत्काल विभाग को जानकारी दें। वन्यजीवों की सुरक्षा जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

खास खबर

सक्ती में आत्मानंद स्कूल के छात्र से मारपीट, आरोपियों की तलाश में पुलिस

सक्ती। सक्ती जिले के अड़भार क्षेत्र में एक नाबालिग छात्र के साथ कथित रूप से अपहरण कर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आत्मानंद स्कूल में पढ़ने वाला नाबालिग छात्र सुबह करीब 11 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। परिजनों का आरोप है कि रास्ते में चार मोटरसाइकिलों पर सवार 8 से 9 युवकों ने उसे जबरन अपने साथ ले जाकर शनि मंदिर के पीछे स्थित गौठान के पास पहुंचाया। वहां उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। परिजनों का आरोप है कि आरोपियों ने छात्र के कपड़े उतरवाकर उसके साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। इस दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चा का माहौल है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल ने बताया कि नाबालिग से मारपीट की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मामले में शामिल आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनकी तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में अधिकांश आरोपी नाबालिग प्रतीत हो रहे हैं। घटना के पीछे की वजह और अन्य परिस्थितियां विवेचना पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर शिक्षिका से 76 हजार की ठगी

बिलासपुर। साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है, जहां ठग ने अश्लील वीडियो वायरल करने और एफआईआर दर्ज कराने की धमकी देकर एक शिक्षिका से 76,500 रुपये ठग लिए। पीड़िता की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ठग ने शिक्षिका को फोन कर उस पर अश्लील वीडियो देखने का झूठा आरोप लगाया। इसके बाद आरोपी ने वीडियो वायरल करने और उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की धमकी देकर डराया। घबराई शिक्षिका ने बदनामी के डर से ठग के बताए खातों में किस्तों में ऑनलाइन रकम ट्रांसफर कर दी। कुछ समय बाद शिक्षिका को ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए 28,993 रुपये की राशि को होल्ड करा दिया गया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आरोपी के मोबाइल नंबर, बैंक खातों और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जानकारी जुटाकर ठग तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

तखतपुर के गणेश कॉफी एंड स्वीट्स में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

तखतपुर। नगर के प्रसिद्ध गणेश कॉफी एंड स्वीट्स में शुक्रवार को भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगते ही आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, लेकिन जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, तब तक होटल का अधिकांश सामान जल चुका था। आगजनी में होटल का फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, खाद्य सामग्री सहित अन्य सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। होटल संचालक को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। वर्षों की मेहनत से खड़ा किया गया कारोबार कुछ ही मिनटों में तबाह हो गया। घटना के बाद लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि आग जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव गंभीर समस्या है। लोगों ने जल्द से जल्द तखतपुर में स्थायी फायर ब्रिगेड व्यवस्था शुरू करने की मांग की है।

लंबे समय से फरार ऐरिना कैपीटल का संचालक गिरफ्तार, निवेशकों से की करोड़ों की धोखाधड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शेयर ट्रेडिंग में निवेश एवं राशि दोगुनी करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व से दर्ज विभिन्न धोखाधड़ी प्रकरणों की विवेचना के दौरान वैधानिक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की गई। प्रकरण में करोड़ों रुपये के निवेश घोटाले से जुड़े कई पीड़ितों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी तथा आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

8 जुलाई 2026 को प्रार्थी राजू नामदेव, निवासी मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई द्वारा थाना सुपेला में शिकायत प्रस्तुत की गई कि ऐरिना कैपीटल के संचालक एवं अन्य सहयोगियों द्वारा शेयर ट्रेडिंग में निवेश कराने, निवेश पर अधिक लाभ तथा राशि दोगुनी करने का झांसा देकर उनसे 15 लाख रुपये की राशि निवेश कराई गई। प्रारंभ में विश्वास बनाए रखने के उद्देश्य से कुछ राशि लाभ के रूप में वापस की गई, किन्तु बाद में लाभ देना बंद कर दिया गया।

विवेचना के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपीगण द्वारा अन्य कई निवेशकों से भी इसी प्रकार करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई है। विभिन्न शिकायतों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध पूर्व में थाना सुपेला एवं चौकी स्मृति नगर में अनेक अपराध पंजीबद्ध हैं। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर फरार आरोपी योगेश साहू को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला अंबर भारद्वाज, उप निरीक्षक धनेश्वर साहू, प्रधान आरक्षक प्रकाश चंद्र तिवारी, प्रधान आरक्षक अमर सिंह एवं आरक्षक प्रदीप सिंह की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी संस्था या व्यक्ति के निवेश संबंधी प्रस्ताव पर धनराशि निवेश करने से पूर्व उसकी वैधानिकता एवं प्राधिकृत पंजीयन का सत्यापन अवश्य करें। अवास्तविक लाभ अथवा राशि दोगुनी करने जैसे प्रलोभनों से सावधान रहें तथा किसी भी प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

कुएं की दीवार पर बैठकर बीड़ी पी रहा था किसान पैर फिसलने से 20 फीट गहरे कुएं में गिरा, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में गुरुवार को 20 फीट गहरे कुएं में गिरने से किसान की डूबकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह कुएं की दीवार पर बैठकर बीड़ी पी रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे कुएं में जा गिरा। घटना कोटा थाना क्षेत्र के ग्राम अमाली की है।

पुलिस के अनुसार, टुडेश्वर यादव (35) गुरुवार को वह गांव के एक कुएं की दीवार पर बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और संतुलन बिगड़ने से वह करीब 20 फीट गहरे कुएं में जा गिरा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और युवक को बचाने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे।

सूचना पर रिश्तेदार और पुलिस भी पहुंची। काफी प्रयास के बाद शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

लोगों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन नहीं बच सकी जान

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि युवक को कुएं में गिरते देख तत्काल उसे बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह गहराई में डूब गया। जब तक उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

बीड़ी पीते समय बिगड़ा संतुलन

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि टुडेश्वर यादव कुएं की दीवार पर बैठकर बीड़ी पी रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और संतुलन बिगड़ने से वह कुएं में जा गिरा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुर्ग में ऑपरेशन विश्वास के तहत कार्रवाई, 3 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत नशे और अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नशीली टेबलेट, अवैध शराब, मोटरसाइकिल और नकदी सहित 97 हजार रुपये से अधिक का सामान जब्त किया है। मोहन नगर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर धमधा रोड स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र से ग्रीन चौक निवासी राहुल गाडा (20) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 10 स्ट्रीप में कुल 150 नग प्रतिबंधित अल्फाजोलम टेबलेट बरामद हुईं, जिनकी कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से बिक्री के 920 रुपये नकद भी जब्त किए। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 22 और 27(क) के तहत मामला दर्ज किया गया है। नंदिनी नगर थाना पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने ग्राम पोटिया के पास घेराबंदी कर राजा डेहरे (19), निवासी ग्राम मुरमंदा को गिरफ्तार किया। जब्त शराब और बाइक सहित करीब 33 हजार रुपये की संपत्ति बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई।

बिलासपुर में हाईवा की टक्कर में स्कूटी-सवार की मौत

टीवी खरीदने जा रहे 2 दोस्तों को हाईवा ने रौंदा, एक की गई जान, दूसरा सिम्स में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर हालत में सिम्स अस्पताल में भर्ती है। घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र के बिनौरी मोड़ की है।

दरअसल, परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। दहेज में देने के लिए टीवी खरीदना था, इसलिए दो दोस्त स्कूटी से मल्हार जा रहे थे। तभी ये हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार, लोहर्सी निवासी बरन भानु (50) पिता स्वर्गीय रोहित भानु अपने दोस्त बंशी श्रीवास के साथ गुरुवार को स्कूटी क्रमांक सीजी 22 एई 0512 से मल्हार जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि परिवार में शादी थी और दहेज में देने के लिए टीवी खरीदने दोनों बाजार जा रहे थे। इसी दौरान पचपेड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम बिनौरी मोड़ के पास सामने से आ रही हाईवा ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

हाईवा की टक्कर से दूर जा गिरे स्कूटी सवार

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने तत्काल डायल-112 और पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मदद से दोनों घायलों को पहले मस्तूरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें बिलासपुर के सिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया।

एक की मौत, दूसरे का चल रहा इलाज

इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह बरन भानु ने दम तोड़ दिया। वहीं बंशी श्रीवास की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद मृतक के घर में मातम पसरा हुआ है। जिस परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब रोने-बिलखने की आवाजें गूंज रही हैं। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पचपेड़ी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त हाईवा को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

85 लाख की धोखाधड़ी करने वाला बदमाश इंदौर से पकड़ाया

भिलाई। पूजा-पाठ, शेयर ट्रेडिंग एवं पारिवारिक समस्याएं दूर करने का झांसा देकर लगभग 85 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने अलग अलग बहाना बनाकर महिला से किस्तों में रकम प्राप्त की। राशि वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देकर अवैध वसूली की जाती रही। प्रकरण में धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी एवं डरा-धमकाकर वसूली करने संबंधी प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सामान्यसंदर्भ

इस संबंध में पीडित महिला ने भिलाई नगर थाने में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में रायपुर में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान उसकी पहचान पवन बधोरिया से हुई। बातचीत के दौरान प्रार्थिया ने अपनी पारिवारिक समस्याओं की जानकारी दी, जिस पर आरोपी ने पूजा-पाठ कराकर समस्याओं का समाधान कराने का विश्वास दिलाया। इसके बाद आरोपी ने पूजा-पाठ, स्वयं के निजी खर्च तथा शेयर ट्रेडिंग में निवेश कराने के नाम पर विभिन्न किस्तों में लगभग 85 लाख रुपये प्राप्त किए।

करीब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी कोई लाभ नहीं मिलने पर प्रार्थिया द्वारा अपनी राशि वापस मांगने पर आरोपी ने नौकरी लगवाने का झांसा दिया तथा बाद में जान से मारने की धमकी देकर राशि वापस करने से इंकार किया। जांच में डरा-धमकाकर अवैध वसूली किए जाने के तथ्य पाए जाने पर प्रकरण में धारा 308(3) बीएनएस भी जोड़ी गई। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 343/2026 अंतर्गत धारा 318(4), 351(3), 308(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश हेतु थाना भिलाई नगर की टीम गठित कर इंदौर रवाना किया गया। टीम द्वारा तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी पवन बधोरिया (43) को इंदौर से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से बैंक खाते से लिंक मोबाइल फोन एवं आधार कार्ड जप्त किया गया। आरोपी को दिनांक 08.07.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उक्त कार्रवाई में थाना भिलाई नगर के थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि पूजा-पाठ, तंत्र-मंत्र, शेयर ट्रेडिंग, नौकरी दिलाने अथवा किसी भी प्रकार के आर्थिक लाभ का झांसा देने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें। किसी भी व्यक्ति को बिना सत्यापन बड़ी धनराशि न दें तथा इस प्रकार की धोखाधड़ी की जानकारी तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा साइबर हेल्पलाइन पर दें।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मो. मुमताज पिता श्री भगढ़ सांई, निवासी-वार्ड नं.-09, प्लाट नं.-07, सड़क नं.-7, शिवाजी नगर, हन्फी मस्जिद के पीछे, कोहका भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490023 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम मुमताज अहमद पिता भगड़ सांई रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरे नये नाम मुमताज अहमद पिता भगड़ सांई से ही जाना पहचाना जावे।

मुमताज अहमद

वार्ड नं.-09, प्लाट नं.-07, सड़क नं.-7, शिवाजी नगर, हन्फी मस्जिद के पीछे, कोहका भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490023

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, MHD MUMTAJ AHMAD S/O BHAGARH SAI Resident of ward no.-09, plot no.-07, street no.-07, shivaji nagar, Behind Hanfi Masjid kohka bhilai Tahsil and Dist Durg (C.G.) 490023 have changed my old Name MHD MUMTAJ AHMAD S/O BHAGARH SAI so in future I should be recognized by my New Name that is MUMTAZ AHMED S/O BHAGARH SAI, in all Government and other documents.

MUMTAZ AHMED

ward no.-09, plot no.-07, street no.-07, shivaji nagar, Behind Hanfi Masjid kohka bhilai Tahsil and Dist Durg (C.G.) 490023

ढ़ेंगुरनाला में डूबकर मासूम बच्ची की मौत

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 रामपुर बस्ती में पानी में डूबने से ढाई वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची का शव ढ़ेंगुरनाला में मिलने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार मृतिका के पिता का नाम दिनेश बरेठ है। बताया जा रहा है कि दिनेश और उसकी पत्नी लालघाट गए थे। साथ में उनकी ढाई वर्षीय बेटी भी थी। वापस आते समय नाला पार करते समय बच्ची तेज बहाव में बह गई। उन्होंने बच्ची की काफी खोजबीन की, लेकिन पता नहीं चला। देर शाम स्थानीय लोगों ने ढ़ेंगुरनाला में बच्ची का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में डूबने से मौत होना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में नवा रायपुर के विकास को नई गति: मंत्रिपरिषद् ने ओटीएस योजना-2026 को दी मंजूरी

ब्याज एवं अधिभार में राहत, लंबित प्रकरणों के समाधान और रुकी परियोजनाओं को मिलेगी नई रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद् की बैठक में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) द्वारा आबंटित भूखंडों एवं निर्मित परिसरों के आबंटितियों के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना-2026 को मंजूरी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय पात्र आबंटितियों को ब्याज एवं अधिभार में राहत प्रदान करने के साथ-साथ लंबित प्रकरणों के समाधान, रुकी हुई परियोजनाओं को गति देने तथा नवा रायपुर में निवेश एवं विकास गतिविधियों को नई ऊर्जा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रत्येक निर्णय विकास को गति देने और जनहित में व्यावहारिक समाधान उपलब्ध कराने की सोच से प्रेरित है। ह्नङ्गस्-योजना-2026 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे निवेशकों का विश्वास मजबूत होगा, लंबित प्रकरणों का निराकरण होगा और नवा रायपुर के समग्र एवं नियोजित विकास को नई गति मिलेगी।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेशकों के लिए पारदर्शी, भरोसेमंद और विकासोन्मुख वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर नीतिगत निर्णय ले रही है। ओटीएस योजना-2026 ऐसे आबंटितियों के लिए एक सकारात्मक अवसर है, जो अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

इससे रुकी हुई परियोजनाओं को गति मिलेगी, अनावश्यक न्यायालयीन विवाद कम होंगे, भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा तथा नवा रायपुर में निवेश एवं आर्थिक गतिविधियों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। यह निर्णय नवा रायपुर को देश के अग्रणी नियोजित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। योजना के अंतर्गत जो आबंटी परियोजना का विकास करने के इच्छुक नहीं हैं, उन्हें आबंटित भूमि समर्पित कर अनुबंध से बाहर होने का विकल्प भी मिलेगा। इससे अनावश्यक न्यायालयीन विवादों में कमी आएगी तथा भूमि का प्रभावी एवं शीघ्र उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा।

योजना लागू होने की तिथि से 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में प्राप्त आवेदनों पर निर्धारित प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाएगा। वर्तमान में विभिन्न भू-उपयोगों के अंतर्गत बड़ी संख्या में लंबित प्रकरण इस योजना से लाभान्वित हो सकेंगे। एनआरडीए के अनुसार, योजना के अंतर्गत भूमि प्रीमियम में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी तथा किसी भी भूमि का सेटलमेंट वर्तमान रिजर्व प्रीमियम मूल्य से कम पर नहीं किया जाएगा।

इससे प्राधिकरण को कोई वित्तीय हानि नहीं होगी, जबकि पात्र आबंटितियों को ब्याज एवं अधिभार में लगभग 61.96 करोड़ रुपये की राहत मिलने का अनुमान है। ओटीएस योजना-2026 के क्रियान्वयन से नवा रायपुर में रुकी हुई विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी, निवेशकों का विश्वास और सुदृढ़ होगा, मुकदमेबाजी में कमी आएगी तथा भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। यह निर्णय नवा रायपुर के नियोजित, संतुलित और तीव्र शहरी विकास को नई दिशा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री साय की पहल सेपामगढ़ क्षेत्र को बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत पामगढ़दुलाहौद मार्ग स्थित डोंगाकोहरौद बस्ती तक सड़क निर्माण कार्य के लिए 605.09 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के तहत 4.337 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। यह मार्ग लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रहा है। सड़क निर्माण से डोंगाकोहरौद बस्ती सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वर्षभर सुरक्षित, सुगम और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। नई सड़क बनने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उपज के परिवहन तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। राज्य सरकार ग्रामीण संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव - राजेश अग्रवाल

शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया आत्मीय स्वागत, अध्ययन सामग्री वितरित कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के पी. एम. श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होकर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर, अध्ययन सामग्री वितरित कर तथा उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए नवीन शैक्षणिक सत्र के सफल एवं प्रेरणादायी होने की मंगलकामना की।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधन और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आज का विद्यार्थी ही कल के सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माता बनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का विस्तार कर रही है, ताकि प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ सके। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है। पी. एम. श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण जैसी योजनाएं बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छ और हरित पर्यावरण भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। कार्यक्रम के अंत में मंत्री राजेश अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी विद्यार्थी परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे तथा प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी सेवा का अवसर

मुख्यमंत्री साय के निर्णय का छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन ने किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ियों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विशेष रूप से 20 विभिन्न खेलों के 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किए जाने तथा उन्हें शासकीय सेवा में लाभ का अवसर प्रदान करने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और प्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं का रुझान और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने इसे खेल प्रतिभाओं के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों के अनुरूप बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता का सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन, संसाधन और सम्मान मिल सके। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में अवसर प्रदान करने का निर्णय युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा तथा प्रदेश में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा देगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का गौरव निरंतर बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त आधार हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विकास तथा खिलाड़ियों के हित में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

प्रशिक्षण से मिली नई उड़ान: 27 युवाओं को मिला निजी कंपनियों में रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कौशल प्रशिक्षण युवाओं के लिए रोजगार का मजबूत माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में बालोद जिले के 27 प्रशिक्षित युवाओं को प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में नौकरी का अवसर मिला।

कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सभी चयनित प्रशिक्षणार्थियों को जॉब ऑफर लेटर सौंपे और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने कहा कि कौशल विकास और रोजगार एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनते हैं। उन्होंने चयनित युवाओं को नई जिम्मेदारियों के साथ पूरी निष्ठा और मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के माध्यम से प्रशिक्षित इन 27 युवाओं का चयन हॉस्पिटैलिटी, ब्यूटी, प्लंबिंग, वेल्डिंग और सोलर जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हुआ है। उन्हें छत्तीसगढ़ के साथ-साथ राज्य के बाहर स्थित प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में रोजगार मिलेगा। कौशल आधारित प्रशिक्षण केवल प्रमाणपत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम भी बन रहा है। इससे जिले के अन्य युवाओं को भी प्रशिक्षण लेकर बेहतर रोजगार हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के मोतीलाल देवांगन, खेमंत सिन्हा सहित संस्था के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

डिजिटल सुशासन पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी

रायपुर। शासन की महत्वाकांक्षी 'सेवा सेतु' पहल ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुशासन की मजबूत मिसाल बन रही है। इस व्यवस्था के माध्यम से लोगों को अब शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। आय, जाति, निवास, विवाह पंजीयन सहित अनेक प्रमाण-पत्र अब सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रहे हैं। बीजापुर जिले के ग्राम भुसापुर, तहसील उसूर की निवासी अंकिता ओयम को भी सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से समय पर विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। उन्होंने तहसील कार्यालय उसूर स्थित सेवा सेतु केन्द्र में आवेदन किया था।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री साय के सुशासन से तेज गति से हो रहा विकास : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन के कारण छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में तेज गति से विकास हो रहा है। उन्होंने बेमेतरा जिले के नगर पंचायत भिंभौरी में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने जनता से किए हर वादे को पूरा किया है। उन्होंने कार्यक्रम में 465.84 लाख रुपए की लागत से बनने जा रहे नवीन महाविद्यालय भवन एवं 14.28 लाख रुपए की लागत से बनने जा रहे किसान सामुदायिक भवन का भूमिपूजन कर नगर पंचायत भिंभौरी को बड़ी सौगातें दी। सांसद विजय बघेल, विधायक दीपेश साहू और ईश्वर साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवीन नगर पंचायत भिंभौरी में विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने यहां घर-घर में नल से जल पहुंचाने के लिए जल आवर्धन योजना के लिए 4 करोड़ रुपए एवं विकास कार्यों के लिए 1 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री और चेक भी वितरित किए गए।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मोदी जी की गारंटी का मतलब है – जो कहा वो किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की वजह से छत्तीसगढ़ आज प्रगति के नए आयाम छू रहा है। साव ने कहा कि जनता से किए गए वादे के मुताबिक सरकार गठन के तत्काल बाद किए गए वादों को पूरा करने का काम किया गया है। किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया गया है। इसके साथ ही किसानों से 3100 रुपए की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। महिलाओं को स्वालंबन और सशक्त बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवासहीन परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत का मान बढ़ा है। देश में जनता की बेहतरी के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को खत्म करने का महत्वपूर्ण काम हुआ है। आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हो गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ में तेज गति से विकास हो रहा है।

उन्होंने राज्य के तरक्की, विकास और कल्याण के लिए सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और किसान कल्याण जैसी योजनाओं में राज्य सरकार ने ऐतिहासिक काम किए हैं। स्कूलों में अधोसंरचना मजबूत की जा रही है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है और योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंच रहा है।

महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार और ग्रामीण विकास हमारी प्राथमिकता है। रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, बेमेतरा जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाईं और पुलिस महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में एआई तकनीक से होगा पीएमजीएसवाई सड़कों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

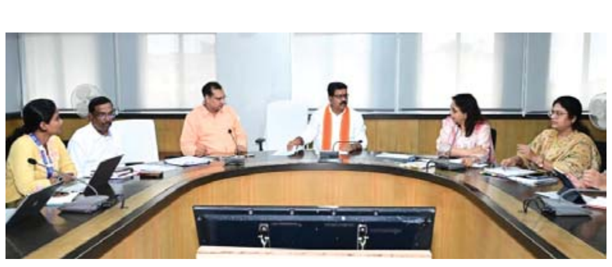

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत बनी ग्रामीण सड़कों के रखरखाव और उनकी गुणवत्ता को सुधारने के लिए राज्य सरकार अब एक क्रांतिकारी कदम उठाने जा रही है। सड़कों की मॉनिटरिंग और मरम्मत कार्य को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का उपयोग किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत तथा ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित महानदी भवन में पीएमजीएसवाई के कार्यों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को इस एआई आधारित सड़क निरीक्षण प्रणाली को जल्द से जल्द जमीन पर लागू करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि इस नई तकनीक के तहत अब राज्य की प्रत्येक पीएमजीएसवाई सड़क का हर महीने वीडियो आधारित निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए विशेष एआई आधारित ऐप और डैशबोर्ड भी तैयार कर लिया गया है। एआई तकनीक सड़कों पर मौजूद गड्ढों (पॉटहोल्स), दरारों और अन्य क्षतियों की अपने आप पहचान कर उनका विश्लेषण करेगी। इससे सड़कों की श्रियल टाइमश् (वास्तविक स्थिति) की सटीक जानकारी मिलेगी और किसी भी तरह की भ्रामक जानकारी से बचा जा सकेगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एआई तकनीक से प्राप्त आंकड़ों (डेटा) के आधार पर राज्य की सबसे ज्यादा खराब और क्षतिग्रस्त सड़कों की पहचान प्राथमिकता से की जाएगी। इसके बाद उनके संधारण (रखरखाव) की बजट कार्ययोजना तैयार कर तुरंत मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा। इससे सरकारी संसाधनों का सही और बेहतर उपयोग हो सकेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम व सुरक्षित बनेगा।

इस व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के लिए उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कल से ही प्रायोगिक तौर पर (पायलट प्रोजेक्ट के रूप में) प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक-एक चयनित सड़क का एआई आधारित निरीक्षण शुरू किया जाए। इन शुरुआती निरीक्षणों से मिलने वाले परिणामों का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद इसे पूरे राज्य में प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। आधुनिक तकनीक के इस उपयोग से सड़कों की आयु बढ़ेगी और समय पर मरम्मत होने से जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950